RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 140 ● भिलाई, शनिवार 06 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने टाला आरोप तय करने का आदेश, लालू परिवार को 8 दिसंबर तक राहत

नई दिल्ली। नौकरी के बदले ज़मीन सीबीआई केस में दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती, हेमा यादव और दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश टाल दिया है. कोर्ट ने सीबीआई से आरोपियों का स्टेटस वेरिफाई करने को कहा है, क्योंकि कुछ आरोपियों की कार्रवाई के दौरान मौत हो गई थी. कोर्ट ने सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने को कहा है और मामले की सुनवाई 8 दिसंबर को तय की है. सीबीआई ने 103 लोगों को आरोपी के तौर पर चार्जशीट किया था. हालांकि, कार्रवाई के दौरान 4 की मौत हो गई. दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर के मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के मामले पर फिर फैसला टाल दिया है. आरोप तय करने पर फैसला तैयार नहीं होने की वजह से टाल दिया गया. स्पेशल जज विशाल गोगने ने 8 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया।

बलात्कारी को आजीवन कारावास की सजा, लगा 4 लाख रुपए का अर्थदण्ड

कुशीनगर। अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कुशीनगर स्थान पडरौना की अदालत ने घर में घुसकर नाबालिग लड़की का सील भंग करने के आरोपी को आजीवन कारावास एवं 4 लाख रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अर्थदण्ड की धनराशि में से 80 प्रतिशत धनराशि पीड़िता को देने का आदेश दिया गया है। अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट कुशीनगर स्थान पडरौना दिनेश कुमार द्वारा न्यायालय में विशेष सत्र परीक्षण संख्या-322/2020, सरकार बनाम मुन्ना, मुकदमा अपराध संख्या-212/2020, धारा-376 भा0 दं0 सं0 व धारा-3/4 पाक्सो एक्ट, धारा-3 (2) 5 एस0सी0/एस0टी0एक्ट, थाना पटहेरवा में वादी मुकदमा एक्स, पीड़िता अनाम (पहचान छिपाने के उद्देश्य से परिवर्तित नाम) से पंजीकृत कराया गया था।

साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले प्रधानमंत्री

रूसी नागरिकों को मिलेगा 30 दिन का मुफ्त वीजा-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का आज दूसरा दिन है। आज के कार्यक्रम के तहत रूसी राष्ट्रपति आज राष्ट्रपति भवन पहुंचे, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद पुतिन राजघाट पहुंचे और राष्ट्रपति महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दोनों नेताओं की हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक हुई। पुतिन आज भारत के उद्योगपतियों से भी मुलाकात करेंगे और दोनों देशों में निवेश और व्यापार बढ़ाने से जुड़ी संभावनाएं तलाशेंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आपका शुक्रिया। बातचीत सकारात्मक और मैत्रीपूर्ण माहौल में हुई। मेरे और प्रधानमंत्री मोदी के बीच नियमित तौर पर फोन पर बातचीत होती रहती है। हम भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति के लिए सभी तरह के ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं। रूस भारत के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र के निर्माण में भी मदद कर रहा है। दोनों देश भुगतान के निराकरण के लिए धीरे-धीरे अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्रा के इस्तेमाल की ओर भी बढ़ रहे हैं। हम सालाना द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की आशा रखते हैं। भारत और यूरेशियन इकॉनोमिक यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में भी बातचीत चल रही है।' रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'हम सबसे बड़ा भारतीय न्यूक्लियर प्लांट बनाने के प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहे हैं। छह में से तीन रिएक्टर

पहले ही एनर्जी नेटवर्क से जुड़ चुके हैं। हम अपने इंडियन पार्टनर्स के साथ मिलकर नए अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट रूट बनाने पर काम कर रहे हैं, जिसमें रूस या बेलारूस से हिंद महासागर तट तक नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट बनाने का प्रोजेक्ट भी शामिल है। पीएम मोदी ने कहा, 'पहलगाम में हुआ आतंकी हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर किया गया कायरतापूर्ण हमला, इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का अटल विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा प्रहार है और इसके विरुद्ध वैश्विक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस वर्ष अक्टूबर में लाखों श्रद्धालुओं को 'कालमिकिया' में International Buddhist Forum मे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का आशीर्वाद मिला।' पीएम मोदी ने कहा, 'दोनों देशों के बीच स्नेह और आत्म-सम्मान का भाव रहा है। हाल ही में रूस में भारत के दो नए वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। इससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच संपर्क और सुगम और आपस में नजदीकियां बढ़ेंगी। शीघ्र ही हम रूसी नागरिकों के लिए नि:शुल्क 30 दिन का टूरिस्ट वीजा और 30 दिन के ग्रुप टूरिस्ट वीजा की शुरुआत करने जा रहे हैं। हम मिलकर वोकेशनल एजुकेशन, स्किलिंग और ट्रेनिंग पर भी काम करेंगे।

छात्रों, खिलाड़ियों का आदान-प्रदान बढ़ाएंगे भारत-रूस, नए मार्गों पर बढ़ेगा सहयोग

दिल्ली के हैदराबाद हाउस में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत-रूस के 23वें शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। उनकी यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब हमारे द्विपक्षीय संबंध कई अहम पड़ावों से गुजर रहे हैं। 25 वर्ष पहले राष्ट्रपति पुतिन ने हमारी सामरिक भागीदारी की नींव रखी थी। उन्होंने इन संबंधों से निरंतर सींचा है। उनके नेतृत्व ने हर परिस्थिति में आपसी संबंधों को नई ऊंचाई दी है। भारत के प्रति गहरी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का आभार प्रकट करता हूं।

इंडिगो संकट पर कांग्रेस का हल्ला बोल!

सरकार के एकाधिकार मॉडल ने मचाई तबाही-नेता प्रतिपक्ष राहुल

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधान को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इंडिगो की विफलता इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है। इंडिगो की 550 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया है जबकि कई उड़ानें देर से रवाना होने से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया,

इंडिगो की विफलता इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है। एक बार फिर इसकी कीमत आम भारतीयों को देरी, उड़ानें रद्द होने और लाचारी के रूप में चुकानी पड़ी है। उन्होंने दावा किया कि भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है, मैच फिक्सिंग के एकाधिकार का नहीं है। इंडिगो हाल के दिनों में चालक दल की भारी किल्लत का सामना कर रही है। दरअसल उड़ान ड्यूटी की सीमा तय करने वाले नए एफ्डीटीएल नियम लागू होने के बाद से ही एयरलाइन चालक दल की संख्या में कमी का सामना कर रही है। नए नियमों के तहत पायलट के लिए साप्ताहिक विश्राम का समय बढ़ाया गया है ।और रात में विमानों के उतरने की संख्या सीमित की गई है ताकि उड़ान सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। इसी बीच इंडिगो ने शुक्रवार को 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं और विभिन्न हवाई अड्डों पर बड़ी संख्या में उड़ानों में विलंब हुआ।

सीजेआई ने कहा-पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी सिस्टम का मजाक

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह सिस्टम का मजाक है. जब उन्हें बताया गया कि 2009 के एसिड अटैक केस का ट्रायल पेंडिंग है. उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि ऐसे भी मामले हैं जहां महिलाओं को एसिड पीने के लिए मजबूर किया गया. सीजेआई ने ऐसे मामलों में रोजाना ट्रायल का समर्थन किया और महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपराधों पर दुख जताते हुए कहा कि किसी भी कोर्ट को उनके प्रति सहानुभूति नहीं रखनी चाहिए. यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने आया. सुनवाई के दौरान, सीजेआई ने एसिड अटैक सर्वाइवर शाहीन मलिक को बेंच के सामने अपनी बात रखने की इजाजत दी.

बीजेपी नेता दिलीप घोष का आरोप

फर्जी मतदाता बचाने टीएससी कर रहा एसआईआर दुरूपयोग

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दिलीप घोष ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने और उसका दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया की अनदेखी करने से 10त फर्जी मतदाता बिना जाँच के रह जाएँगे, जिससे पूरी एसआईआर प्रक्रिया कमज़ोर हो जाएगी। एएनआई से बात करते हुए, घोष ने कहा कि टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में

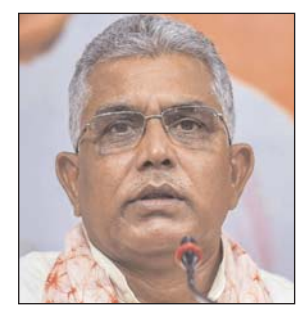

एसआईआर का विरोध तो किया ही है, साथ ही इस प्रक्रिया का दुरुपयोग भी किया है। उन्होंने अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बीएलओ पर दबाव डाला है... पूरा सत्यापन किया जाना चाहिए; अन्यथा, राज्य में 10त फर्जी मतदाता बने रहेंगे, और पूरी एसआईआर प्रक्रिया बेकार हो जाएगी। पश्चिम बंगाल 11 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एसआईआर प्रक्रिया कर रहा है। राज्य में विधानसभा चुनाव 2026 में होने की संभावना है। इस बीच, गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद में 40 लोगों की जान जा चुकी है और इसका इस्तेमाल राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है।

शाह ने स्वदेशोत्सव का किया उद्घाटन

आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिला नया मंच-अमित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय मैदान में 'स्वदेशोत्सव 2025' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह राष्ट्रव्यापी एक्सपो 5 दिसंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, गृह मंत्री ने स्वदेशी की शक्ति का प्रतीक 'स्वानुभूति प्रदर्शनी' का भी अनावरण किया। इस स्वदेशी

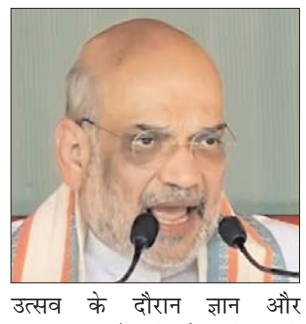

उत्सव के दौरान ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सेमिनार आयोजित किए गए हैं, ऐसा विज्ञप्ति में कहा गया है। तदनुसार, 5 दिसंबर को उद्घाटन दिवस पर पर्यावरण संकल्प सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

कंगना रनौत ने राहुल गांधी को दिया भाजपा में आने का न्योता, कहा-अटल जैसा बनिए

नईदिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भाजपा में आने का न्यौता दिया है। कंगना ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि अगर राहुल अपनी तुलना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से अपनी तुलना कर रहे हैं तो उन्हें भाजपा में आ जाना चाहिए। कंगना ने कहा कि राहुल भी अटल जी की तरह बन सकते हैं। दरअसल, राहुल ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दिल्ली दौरे पर उनकी मुलाकात अन्य नेताओं से न कराने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि परंपरा रही है कि जब भी कोई बाहर से आता है ।

राज्यसभा में उठा मुद्दा

इंडिगो की 500 उड़ानें रद्द होने से आम लोग ही नहीं,सभी सांसद भी परेशान..

नई दिल्ली। इंडिगो ने पिछले दो दिनों में करीब 500 उड़ानों को रद्द किया है, जिससे सैकड़ों यात्रियों को मुश्किलों को सामना करना पड़ा है। यह मुद्दा शुक्रवार को राज्यसभा में भी उठा। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि एयरलाइन के बढ़ते एकाधिकार का असर आम लोगों के साथ-साथ सांसदों पर भी पड़ रहा है। शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए प्रमोद तिवारी ने कहा, इसके कारण बड़ी संख्या में सांसदों की साप्ताहांत की यात्रा की योजनाओं पर असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि कई

संसद सदस्य आज घर जाने और सोमवार को वापस लौटने के लिए टिकट बुक कर चुके थे। लेकिन अब उड़ान रद्द होने से परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि समस्या इंडिगो के एकाधिकार की वजह से पैदा हुई है। तिवारी ने सदन के जरिये पूछा कि जिस नियम के कारण यह स्थिति बनी है, उस पर सरकार क्या कदम उठा रही है और कब तक समस्या का समाधान होगा। उन्होंने मंत्री से सदन को जानकारी देने की मांग की। उनके सवाल पर जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार इस मुद्दे की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि सदन में आने से पहले ही उन्होंने विमानन मंत्री से बात की है और एयरलाइन की तकनीकी समस्याओं को देखा जा रहा है। रिजिजू ने कहा कि उन्होंने विमानन मंत्री से आग्रह किया है कि वह इस मुद्दे पर विस्तृत जवाब तैयार करें, क्योंकि कई सदस्य इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्थिति की जानकारी सदन और आम नागरिकों दोनों को मिलनी चाहिए।

हवाई यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

इंडिगो ने यात्रियों से मांगी माफी, कैंसिलेशन पर पूरा रिफंड और फ्री री-शेड्यूलिंग सुविधा देने का दावा

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने उड़ानों में लगातार देरी और बड़े पैमाने पर रद्दीकरण के बाद यात्रियों से सार्वजनिक माफी मांगी है। कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में यात्रियों को जो परेशानियां झेलनी पड़ीं, वह उसे समझती है और स्थिति सुधारने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। यह माफी डीजीसीए द्वारा अपने हालिया सख्त निर्देशों को तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाने के बाद आई है। एयरलाइन ने कहा कि हम जानते हैं कि बीते कुछ दिन आपलोगों के लिए मुश्किल भरे रहें। हालांकि यह परेशानी रातों-रात खत्म नहीं होगी, लेकिन हम आश्वासन देते हैं कि जल्द से जल्द सभी चीजें अपनी सामान्य स्थिति में आ जाएंगी। इंडिगो ने बताया कि शुक्रवार को सर्वाधिक उड़ानें रद्द की गईं, ताकि शेड्यूल और सिस्टम को रीबूट किया जा सके और शनिवार से सुधार शुरू हो सके। कंपनी के अनुसार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए के साथ समन्वय में काम करते हुए शॉर्ट-टर्म कैंसिलेशन के जरिए एयरपोर्ट पर भीड़ कम कर संचालन को सुचारु बनाने की कोशिश की जा रही है। एयरलाइन ने यात्रियों को राहत देने के लिए कई फैसलों की घोषणा की है।

कैंसिल हुई उड़ानों का किराया अपने आप मूल पेमेंट मोड में रिफंड किया जाएगा। साथ ही 5 दिसंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 के बीच की बुकिंग पर कैंसिलेशन और री-शेड्यूलिंग पूरी तरह मुफ्त होगी। कंपनी ने यात्रियों के लिए विभिन्न शहरों में हजारों होटल कमरे और सतही परिवहन की व्यवस्था करने का दावा भी किया है। हवाई अड्डों पर फूड-स्नैक्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लाउंज सुविधा भी उपलब्ध कराने की कोशिश हो रही है। वेबसाइट पर देखें और रद्द हुई उड़ानों के बावजूद एयरपोर्ट न पहुंचें। साथ ही कंपनी ने बताया कि कॉल सेंटर क्षमता बढ़ाई गई है और उसका एआई असिस्टेंट Eskai रिफंड, रीबुकिंग और जानकारी देने के लिए मदद करेगा। एयरलाइन ने कहा कि ग्राहक पिछले 19 वर्षों से जिस भरोसे और प्यार के साथ उसका समर्थन कर रहे हैं, उसे वापस पाने के लिए कंपनी हर कदम उठाएगी।

एसआईआर का आंकड़ा प्रकाशित करे

बीएलओ पर जानलेवा दबाव न डाला जाए

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अब तक हुए काम को प्रकाशित करने और यह सुनिश्चित करने की मांग की कि बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर 'जानलेवा दबाव' न डाला जाए। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मांग की कि राज्य में एसआईआर का जितना भी काम हुआ है, उसका आंकड़ा प्रकाशित किया जाए। उन्होंने कहा, '' ?बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त

अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए।'' यादव ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी-साथी पिछले दरवाज़े से इस काम में अब नहीं हैं और न आगे कभी होंगे।

परिक्षेत्र साहू संघ तुमड़ीबोड़ का शपथ ग्रहण जिला व तहसील के पदाधिकारी हुए शामिल

डोंगरगांव नगर। परिक्षेत्र साहू संघ तुमड़ीबोड़ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह साहू भवन तुमड़ीबोड़ में आयोजित किया गया। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं सहित आसपास के 17 ग्रामों से आए सामाजिकजनों की मौजूदगी में परिक्षेत्र साहू संघ के पदाधिकारियों ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के मुख्यअतिथि जिलाध्यक्ष भागवत साहू थे। अध्यक्षता शिवराम साहू, अध्यक्ष तहसील साहू संघ डोंगरगांव ने की। विशेष अतिथि बतौर जनपद सदस्य सरिता मदन साहू, जनपद सदस्य जया तिमेश साहू, सरपंच भूनेश्वरी साहू सम्मिलित हुए। अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अतिथियों द्वारा संगठन के उन्नयन, समाज में एकता, शिक्षा प्रसार और युवा सहभागिता पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया गया। समारोह में परिक्षेत्र साहू संघ के संरक्षक इन्द्रसेन साहू, अध्यक्ष हेमंत साहू उपाध्यक्ष गरीबा साहू व राधिका साहू, संगठन सचिव ओमप्रकाश साहू व प्रीति साहू कोषाध्यक्ष भगवान दास साहू, सचिव गोपाल दास साहू, अंकेक्षक योगेस साहू को शपथ ग्रहण उपरांत निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उक्त समारोह में जिला उपाध्यक्ष मदन साहू, जिला कोषाध्यक्ष नोबल साहू, पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू, अमरोतन साहू, संगठन सचिव माधव साहू, कोमल साहू, रामप्रकाश साहू, सुरेंद्र साहू डेरहीन बाई साहू, पूनम साहू, कोमल साहू, उत्तम साहू, धर्मेंद्र साहू, मोहित साहू, मोहर दास साहू, राजेश साहू सहि 17 ग्रामों के अध्यक्ष व मंडल पदाधिकारी एवं सामाजिकजन शामिल हुए।

झाल एनएसएस शिविर, 45 युवाओं से रूबरू हुईं मधु रॉय

अनुभव साझा करते हुए भावुक होकर बोलीं—महिला होकर राजनीति में चलना आसान नहीं

बेमेतरा। ग्राम पंचायत झाल का वातावरण मंगलवार को युवाओं की ऊर्जा और सेवा की लौ से जगमगा उठा। शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के इकाई शिविर में पहुँची जिला पंचायत सदस्य मधु रॉय ने जैसे ही विद्यार्थियों के बीच कदम रखा, पूरे परिसर में उत्साह की लहर दौड़ गई। यह सिर्फ औपचारिक कार्यक्रम नहीं थाज यह था दिल से दिल तक पहुँचने वाला संवाद। उन्होंने छात्रों से पूछा कि वे गाँव को बेहतर बनाने के लिए क्या सोचते हैं, कैसे काम कर रहे हैं और आगे क्या बदलाव चाहते हैं। हर उत्तर पर वे मुस्कुरातीं, सराहतीं और कभी-कभी गंभीर होकर सलाह भी देतीं। एक छात्रा ने भावुक होकर कहा– मैडम, पहली बार लगा कि हमारी बात को कोई जनप्रतिनिधि सच में सुन रहा है।

युवाओं में भरा नया आत्मविश्वास

मधु रॉय के संवाद ने विद्यार्थियों के भीतर नया हौसला जगाया। उनकी बातें सुनकर कई छात्र बोले– मैडम, अब हम समझ पाए कि सेवा का मतलब सिर्फ काम करना नहीं, बल्कि दिल से जुड़ना भी है। गाँव के वरिष्ठों ने भी कहा कि ऐसा शिविर वर्षों बाद देखने को मिला है, जहाँ युवा और जनप्रतिनिधि एक दूसरे को समझते भी हैं और सीखते भी। इस दौरान कार्यक्रम प्रभारी प्रो निर्मल कुमार, जौवन कुमार, कपिल साहू, भागवत साहू, तिलक साहू। बोधराम साहू, आसदेव विश्वकर्मा सहित एनएसएस के स्वयंसेवक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वयं के अनुभव सुनाते हुए भावुक हुई

संवाद के दौरान मधु रॉय ने अपने जीवन के संघर्षों को साझा किया। उनकी आवाज में भावुकता और आंखों में दृढ़ता साफ झलक रही थी। उन्होंने कहा– एक महिला होकर राजनीति में कदम रखना कभी आसान नहीं रहा। महिलाओं को हर क्षेत्र में शुरुआत में अड़चनें झेलनी पड़ती हैं–कभी संदेह, कभी रोक-टोक, कभी तानेज ऊपर से घर की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है और क्षेत्र की भी।

महिला जनप्रतिनिधि का सफर दोहरी चुनौती से भरा होता है

उन्होंने आगे कहा– लेकिन जब परिवार का साथ मिलता है और मन में हौसला होता है, तो रास्ता खुद बन जाता है। उनकी बातों ने वहां मौजूद कई युवतियों को गहरी प्रेरणा दी। कई छात्राओं ने कहा कि मधु रॉय की कहानी ने उन्हें भी आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया।

शिविर में रचा युवाओं ने सेवा का अनोखा रंग

शिविर में बीते 04 दिनों से कई भावनात्मक और प्रेरणादायक गतिविधियाँ चलती रहीं– गाँव की गलियों में स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति पर जागरूकता रैली, जरूरतमंदों की मदद के लिए सेवा टीम, पौधारोपण के माध्यम से हरियाली का संदेश एवं सामाजिक बुराइयों पर असरदार नुक्क ड़ नाटक इन सबने ग्राम पंचायत झाल को एक दिन के लिए ही सही, लेकिन सेवा और सकारात्मक बदलाव की प्रयोगशाला बना दिया।

जिले में 6776 क्विंटल अवैध धान जब्त उपार्जन केंद्रों में खपाने की थी तैयारी

प्रशासनिक टीमें लगातार दे रही दबिश, अवैध धान के विरुद्ध सख्त अभियान जारी

कवर्धा। कबीरधाम जिले में किसानों से धान खरीदी के बीच अवैध धान की आवक रोकने के लिए जिला प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य कर रहा है। धान खरीदी की शुरुआत से अवैध धान के भंडारण और परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी है।

अब तक जिले में कुल 6776 क्विंटल अवैध धान जप्त किया गया है। पकड़े गए धान की 31 सौ रूपये के हिसाब से कीमत 2.10 करोड़ रुपए से अधिक होती है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि इस धान को आगे उपार्जन केंद्रों में खपाने की तैयारी थी। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य और राजस्व विभाग की टीम द्वारा अवैध धान भंडारण और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी है। अब तक जिले के अलग अलग हिस्सों में अवैध भंडारण और परिवहन के मामलों में कार्रवाई करते हुए धान जप्त किया गया है। इन घटनाओं में लिप्त वाहनों को भी जप्त किया गया है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अवैध धान भंडारण और परिवहन के मामलों पर सख्त कार्रवाई की जाए। वे नियमित रूप से इसकी समीक्षा कर रहे हैं। गौरतलब है कि खरीदी केंद्रों में अवैध रूप से बिक्री के लिए आने वाले धान की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। निगरानी तंत्र को मजबूत करने के साथ सीमावर्ती इलाकों में 24 चेकपोस्ट

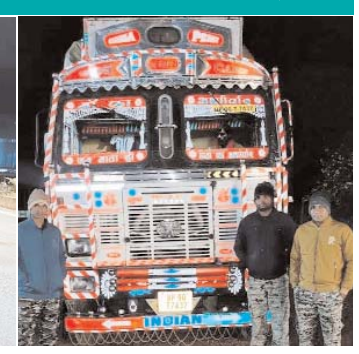

बनाकर वहां कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ताकि दूसरे राज्यों से अवैध रूप से आने वाले धान के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। इस बीच जिले में सक्रिय कोचिए और ऐसे प्रतिष्ठान जहां धान को उपार्जन केंद्रों में खपाने के लिए अवैध रूप से भंडारित कर के रखा गया है, उनका चिन्हांकन कर वहां जिला प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी जा रही है। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला प्रशासन की टीमों द्वारा अब तक 20 से अधिक राइस मिल का भौतिक सत्यापन कर स्टॉक वेरिफिकेशन किया गया है। 16 छोटे बड़े वाहनों को अवैध धान परिवहन में लिप्त पाए जाने पर धान सहित जप्त किया गया है। वहीं 10 दुकानों और 3 गोदामों में अवैध धान भंडारण पर कार्रवाई की गई है।

अब तक 6776 क्विंटल अवैध धान जब्त

खाद्य अधिकारी सचिन मरकाम ने बताया कि अवैध धान के किसी भी प्रकार से आवक की संभावना को रोकने प्रशासनिक कार्रवाई जारी है। ताकि वास्तविक किसानों को शासन की धान खरीदी नीतियों का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि अवैध परिवहन, व्यापारिक प्रतिष्ठान, कोचियों और मिलर्स से अब तक जिले में 40 अलग अलग प्रकरणों में 6776 क्विंटल अवैध धान जप्त किया जा चुका है। जिसकी कीमत 31 सौ रूपये मूल्य के हिसाब से 2.10 करोड़ रुपए है।

सरस्वती शिशु मंदिर मारो विद्यालय में सप्त शक्ति संगम

बेमेतरा। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित एवं सरस्वती शिक्षा संस्थान छग रायपुर एवं सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति छग के मार्ग दर्शन में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर मारो विद्यालय में सप्तशक्ति संगम (मातृशक्ति सम्मेलन) कार्यक्रम संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुनीता बघेल (सरपंच ग्राम पंचायत चक्रवाय), अध्यक्षता सुधा तिवारी (पार्षद नगर पंचायत मारो), विशिष्ट अतिथि रश्मि साहू पूर्व (सरपंच ग्राम पंचायत परसदा), एवं निलिमा सिंह क्षत्रिय (शिक्षिका स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मारो) मुख्य वक्ता खुलेश्वरी देवांगन एवं रेणुका साहू रही। अतिथियों द्वारा सरस्वती, ऊं,भारतमाता की पूजन द्वीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया। अतिथियों को शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना में शिव्या साहू द्वारा सप्तशक्ति संगम कार्ययोजना के स्वरूप की जानकारी दी गई। विद्यालय की कृतिका, लव्या, पायल, दिव्या, अदिति एवं साथी के समूह गीत के पश्चात् प्रथम मुख्य वक्ता खुलेश्वरी देवांगन (विभाग सहसंयोजिका बिलासपुर)ने

अपने उदबोधन में कुटुम्ब प्रबोधन एवं पर्यावरण विषय पर विचार रखते हुए संयुक्त परिवार को समाज की महत्वपूर्ण कड़ी बताया जिससे भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की रक्षा की जा सकती है। माताओं से आग्रह किया कि पेड़ों का संरक्षण कर पर्यावरण की संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं। कार्यक्रम में प्रेरणादायक प्रश्नों के उत्तर देने वाली 15 माताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की रानी लक्ष्मीबाई, जीजा बाई, दुर्गावती की रुपसज्जा के माध्यम से प्रेरणादाई माताओं की संदेश प्रस्तुति के बाद कार्यक्रम में द्वितीय मुख्य वक्ता सुश्री रेणुका साहू (क्षेत्रिय प्रशिक्षण प्रमुख मध्य क्षेत्र) ने अपने सारगर्भित विचार हमारे देश की वर्तमान परिस्थिति में महिलाओं का योगदान विषय पर रखते हुए परिवार की जिम्मेदारी निभाने के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले माताओं बहनों की आत्मनिर्भरता हासिल कर देश को सशक्त बनाने वाले के नाम पद से अवगत कराते हुए उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। सम्मान की कड़ी में उपस्थित माताओं में से संयुक्त परिवार सम्मान अनिता यादव (कुल 22सदस्य), समाज, चिकित्सा गौसेवकपुत्र की माता सम्मान शीतला चौबे एवं देशसेवा में समर्पित सैनिक एकलौते पुत्र की माता निर्मला साहू को सम्मानित किया गया। अनुभव कथन के रूप में विचार रखते हुए निलिमा सिंह क्षत्रिय ने महिलाओं को परिवार को सुदृढ़ बनाने मुख्यस्तंभ बताते हुए महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से आयोजित कार्यक्रम को बहुत ही महत्वपूर्ण आयोजन बताया।

धान बिक्री करने में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो : कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी योजना राज्य शासन के विशेष प्राथमिकता वाले किसानों के हितों की दृष्टि से अत्यंत महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। मिश्रा ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में अपने धान की बिक्री करने हेतु आने वाले कृषकों को किसी भी प्रकार असुविधा नही होनी चाहिए। कलेक्टर मिश्रा कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। बैठक में उन्होंने जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी धान खरीदी केन्द्रों में लगाई गई है उन्हें समय पर धान खरीदी केन्द्रों में उपस्थित होकर धान खरीदी कार्य को सुचारू रूप से संचालित कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन सुबह 08 बजे अपने प्रभार वाले धान खरीदी केन्द्रों में अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित कर संपूर्ण व्यवस्था का समुचित मॉनिटरिंग करने को कहा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील

चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने राज्य शासन के निर्देशानुसार धान बिक्री हेतु किसानों का आफलाईन टोकन काटने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि धान खरीदी के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। मिश्रा ने कहा कि जिस नोडल अधिकारी का गेट पास कम जारी होगा उनके विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने जारी किए गए पास को समय पर एंट्री कराने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने नोडल अधिकारियों को चेकलिस्ट के आधार पर धान खरीदी केन्द्रों की संपूर्ण व्यवस्थाओं की जाँच कर सुचारू रूप से धान खरीदी केन्द्र की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल में किसान पंजीयन एवं विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य की भी समीक्षा की। मिश्रा ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समयावधि में सभी प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने विभागवार जीएसटी रिटर्न की स्थिति, युवा खेल महोत्सव एवं ग्राम दुधली में आयोजित होने वाली नेशनल रोवर रेंजर जंबुरी के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। मिश्रा ने अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक को युवा खेल महोत्सव तथा जिला शिक्षा अधिकारी को नेशनल रोवर रेंजर जंबुरी के सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित कर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर मिश्रा ने अटल मॉनिटरिंग पोर्टल में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा तथा जिले में संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने जल संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने हेतु कृषि, जल संसाधन सहित सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को फील्ड में दौरा करते हुए किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के बदले अन्य फसल का उत्पादन के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सुनी आम लोगों की समस्याएं

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने 2 दिसम्बर को आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आम लोगों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में डौण्डी से पहुँचे रोहित कुमार ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, ग्राम बरबसपुर की बिदेश्वरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, आमापारा बालोद के गणराज यादव ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाने ग्राम खपरी की रवीना ने श्रमकार्ड का नवीनीकरण कराने, ग्राम पंचायत सांकरी के सरपंच ने शाला भवन में आहता निर्माण कराने, ग्राम पंचायत तार्री के सरपंच ने सीसी रोड निर्माण कराने, सोनईडोंगरी की रेखा बाई ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाने, सनौद की पुष्पांजली ने जन्म प्रमाण पत्र में सुधार कराने, चिटौद की योगिता ने जॉब कार्ड दिलाने हेतु आवेदन सौंपे। इस अवसर पर कलेक्टर मिश्रा ने विद्युत दुर्घटना में प्रभावित हुए ग्रामीण नरसुराम नेताम को विद्युत विभाग की योजना के तहत 02 लाख रूपये का चेक प्रदान कर लाभान्वित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

दल्ली खदान से लाल मिट्टी का पानी नाले में मिलकर फैला रहा है प्रदूषण

दल्लीराजहरा। दल्ली खदान से लाल मिटटी का पानी नाले में मिलकर प्रदूषण फैला रहा है। आयरन युक्त लाल पानी 24 घंटे बहती अविरल जलधारा नाला के माध्यम से बहते हुए राजहरा के वार्ड नंबर 12, 15, 16, 17, में बहता है। ग्रीनकमांडो वीरेंद्र सिंह ने जनदर्शन में कलेक्टर को इस समस्या से अवगत कराया जिस पर जिला कलेक्टर ने तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को कार्यवाही के लिए के कहा। आयरन और धातुओं का रिसावः खनन से निकलने वाले लोहे (आयरन) और अन्य धातुओं के ऑक्साइड पानी में मिलकर इसे लाल रंग देते हैं। खदानों में मौजूद सल्फाइड खनिज पानी के साथ मिलकर एसिड बनाते हैं, जो नाले के पानी को प्रदूषित करता है। कचरा और अवशेषः खनन का कचरा और मिट्टी नाले में बहकर आती है, जिससे जलजीवों और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए विषाक्त होने के साथ ही आसपास के इलाकों में पानी की गुणवत्ता खराब होती है और सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने पर मिटटी भी प्रदूषित होती है।

क्या किया जा सकता है?

खदानों में वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट की व्यवस्था करें, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मदद से जांच और नियंत्रण करें। स्थानीय लोगों को प्रदूषण के खतरों और बचाव के तरीकों के बारे में शिक्षित करें।

राम जानकी मंदिर निर्वाणी अखाड़ा में शंखनाद प्रतियोगिता सम्पन्न

वैदिक परंपरा और वैज्ञानिक आधार

बेमेतरा। महंत सुरेन्द्र दास के सान्निध्य में राम जानकी मंदिर परिसर में गीता जयंती पखवाड़ा के उपलक्ष्य में भव्य शंखनाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। इस पुण्य आयोजन का संचालन धर्म स्तंभ काउंसिल के मार्गदर्शन एवं डॉ. सौरव निर्वाणी के प्रेरक आह्वान पर किया गया। धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा गीता जयंती पखवाड़ा 3 दिसम्बर से 18 दिसम्बर तक प्रदेशभर के सभी राम-जानकी, राधा-कृष्ण एवं सनातन मंदिरों में समान रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रतिदिन संध्याकाल सामूहिक शंखनाद व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस प्रदेशस्तरीय पखवाड़े में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्वर्णपत्र, रजतपत्र एवं ताम्रपत्र से सम्मानित किया जाएगा, जो धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा प्रदान किए जाएंगे। डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि गौ, गीता और गंगा ये तीनों सनातन धर्म की आत्मा हैं। उन्होंने शंखध्वनि के वैज्ञानिक लाभ बताते हुए कहा कि शंखनाद से वातावरण पवित्र होता है, वायु में सकारात्मक स्पंदन उत्पन्न होते हैं और शरीर में ऊर्जा, फेफड़ों की क्षमता तथा मानसिक एकाग्रता बढ़ती है। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में,प्रथम स्थान देवेंद्र वैष्णव द्वितीय स्थान - वाशु शरणदास, तृतीय स्थान ओम शरण दास को प्राप्त हुआ। मंदिर समिति द्वारा विजेताओं को सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय साधु-संतों, बालकों तथा भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर परिसर शंखध्वनि से गूंज उठा और वातावरण भक्तिरस से ओत-प्रोत हो गया।

जुआ प्रकरण में 11 जुआडियों से 5,300 रूपये जब्त

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फ्फार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में थाना नवागढ स्टाफ को जरिये मुखबिर से सुचना मिली कि पडकीडीह हॉट बाजार कचरा फेकने वाले स्थान में कुछ जुआडियान 52 पत्ती ताश से रूपये पैसों का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सूचना पर थाना नवागढ पुलिस टीम पहुच कर सुचना के अधार पर रेड

कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 11 जुआडियान पकड़े गए। जिसमें थाना नवागढ़ में 02 प्रकरण दर्ज कर 11 जुआडियानो राजाराम साहू उम्र 65 वर्ष, निवासी पडकीडीह, रिंकु साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी पडकीडीह, रवि यादव उम्र 25 वर्ष, निवासी पडकीडीह, नंदकुमार साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम घठोली, महेन्द्र यादव उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम घठोली, राजाराम साहू उम्र 26 वर्ष, निवासी नवागढ, प्रदीप कोशले उम्र 35 वर्ष, निवासी जेवरा एन, भागीरथी साहू उम्र 38 वर्ष, निवासी देवरी थाना चंदनू, शंकर साहू उम्र 22 वर्ष, निवासी तोरा, हरि साहू उम्र 27 वर्ष निवासी अंधियारखोर, रामगोपाल वैष्णव उम्र 32 वर्ष, निवासी अंधियारखोर, थाना नवागढ जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं। जुआडियों के पास एवं फ्ड से कुल जुमला नगदी 5,300/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त कर कार्यवाही किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नवागढ उप निरीक्षक भुनेश्वर लाल यादव, सउनि दीनानाथ सिन्हा, प्रधान आरक्षक अशोक तिर्की, अजय बंजारे, आरक्षक भुपेन्द्र चंद्रवंशी, रविकांत चंद्रवंशी सहित थाना नवागढ के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ भंडार क्रय अधिनियम 2002 में किया गया संशोधन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई बैठक में छत्तीसगढ़ भंडार क्रय नियम 2002 में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने पत्रकारों को बताया कि छत्तसढ़ के क्रय नियम में संशोधन किया गया है ताकि विभिन्न विभागों में क्रय को प्रोत्साहन दिया जा सके। ज्ञात रहे कि इस समय वेब पोर्टल से खरीदी की जा रही है जिससे बोरी दार नहीं आ रहे हैं। इससे कई तकनीकी समस्याएं आ रही है। ज्ञात रहे कि सरकार ने हाल ही में करोड़ों रूपए की चना, कागज तथा अन्य खरीदी की है। छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम, 2002 में स्थानीय लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों से क्रय को प्रोत्साहन देने तथा जेम पोर्टल में ऋय की स्पष्टता के लिए संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया। इन संशोधन से ऋय प्रक्रिया का सरलीकरण होगा, पारदर्शिता में वृद्धि होगी, प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा तथा समय और संसाधनों की बचत होगी। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 (क्र. 21 सन् 2018) में संशोधन हेतु छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना संशोधन विधेयक, 2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के रिफॉर्म्स और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

शराब पिलाने वाले होटल ढाबों पर कार्यवाही

रायपुर। जिला पुलिस ने होटल, ढाबा, ठेला आदि में लोगों को शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले संचालकों, अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने एवं सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले आरोपियों के विरुद्ध छापामार कार्यवाही की है। मामले में पुलिस ने कुल 10 होटल, ढाबा, ठेला, चखना सेंटर संचालकों पर कार्यवाही की है। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में अवैध गतिविधियों में लिप्त आरोपियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं जुआ, सट्टा का संचालन करने वाले तथा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना भाटापारा शहर, हथबंद, सुहेला, चौकी गिरौदपुरी एवं सोनाखान की पुलिस टीम द्वारा दिनांक 02.12.2025 को सायं के समय क्षेत्र अंतर्गत शराब भट्टी के पास अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने वाले, सडक मार्ग के किनारे स्थित होटल, ढाबा, ठेला आदि में पीने, बैठने की सुविधा उपलब्ध कराकर अवैध रूप से शराब पिलाने वाले तथा सार्वजनिक स्थल पर बैठकर शराब पीने वाले कुल 10 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही किया गया है। पकड़े गए सभी 10 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत विधिवत कार्यवाही किया गया है। पुलिस ने अग्हन बाई धनवार निवासी वीर नारायणपुर पुलिस चौकी सोनाखान , अमित यदू निवासी ग्राम सूरजपुरा थाना भाटापारा ग्रामीण, राधेश्याम टंडन उम्र 35 साल निवासी ग्राम डोंगरिया थाना हथबंद, राजेश कैवर्त उम्र 29 साल निवासी ग्राम कोट चौकी गिरौदपुरी, संजय कैवर्त उम्र 32 साल निवासी ग्राम कोट चौकी गिरौदपुरी, पंकज साहू उम्र 30 साल निवासी ग्राम रानीजरौद थाना सुहेला, डोमार यादव उम्र 23 साल निवासी ग्राम रानीजरौद थाना सुहेला, घनश्याम वर्मा उम्र 40 साल निवासी ग्राम भिलौनी, यामलाल फेकर उम्र 53 साल निवासी ग्राम हिरमी थाना सुहेला तथा रंजीत यादव उम्र 29 साल निवासी ग्राम भिलौनी के विरूद्ध कार्यवाही की है।

पशु तस्करी के मामले में पांच वर्षो से फरार आरोपी पकड़ाया

रायपुर। जिले की थाना सिमगा पुलिस ने पशु तस्करी के मामले में पिछले 05 वर्षों से फरार एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी द्वारा वर्ष 2020 में अपने ट्रक के माध्यम से 20 नग मवेशियों का अवैध रूप से तस्करी कर रहा था तथा पकड़े जाने के दौरान फरार हो गया था। बता दें कि थाना सिमगा पुलिस द्वारा घटना *दनांक 07.11.2020 को ट्रक क्रमांक सीजी 08 एच 0785 में 20 नग मवेशियों का अवैध रूप से परिवहन करते पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध थाना सिमगा में अपराध क्रमांक 387/ 2020 धारा 4,6 ,7,9, 10,11 ,48 ,52,49,49 (ए),50 छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण में एक आरोपी समीर खान को गिरफ्तार किया गया था, किंतु मामले में उक्त ट्रक का मालिक आरोपी धनुष लाल धनकर फरार था जिसका सरगर्मी से पता तलाश किया जा रहा था। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा फरार आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने हेतु थाना प्रभारी सिमगा को निर्देशित किया गया, जिस पर थाना सिमगा पुलिस द्वारा आरोपी के निवास स्थान एवं उसके छिपने के हर संभावित ठिकाने पर लगातार दबिश दिया जा रहा था, कि इसी बीच प्रकरण की विवेचना एवं जांच क्रम में प्रकरण के फरार आरोपी धनुष लाल धनकर को हिरासत में लिया गया।

पीएम आवास के 1073 हितग्राहियों को नये आवास की चाबी सौंपी

प्रधानमंत्री मोदी की हर गारंटी को पूरा कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार

- सुहेला में 195 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन
- बलौदाबाजार में कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल भवन, तिल्दा में नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम सुहेला में आयोजित कार्यक्रम में 195.26 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। कार्यक्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 1073 हितग्राहियों को आवास की चाबी, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत तीन हजार महिलाओं को गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना अंतर्गत पाँच हजार किसानों को अधिकार अभिलेख तथा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री और राशि के चेक प्रदान किए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का ध्येय है कि हर घर में पक्का मकान, शौचालय, शुद्ध पेयजल और प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ पहुंचे। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए हमारी सरकार जनता के हित में वचनबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य बने 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। सरकार बनने से पहले प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में जो वादे किए गए थे, उन्हें हम एक-एक कर पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी हो रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ाकर प्रति मानक बोरा 5,500 रुपये कर दी गई है। किसानों को दो वर्ष का बकाया बोनस भी प्रदान किया जा चुका है। महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ बड़ी संख्या में महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत हर घर को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना में बड़ी मात्रा में सब्सिडी भी मिल रही है, इसलिए अधिक से अधिक लोग अपने घरों में सोलर पैनल स्थापित कर लाभ उठाएँ। उन्होंने जिले में प्रशासन की 'हम होंगे कामयाब' पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षित कर उनके बेहतर भविष्य के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, उनसे अब तक 500 से अधिक युवाओं को लाभ मिला है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है और बड़े-बड़े कार्य सहजता से पूरे हो रहे हैं। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने बताया कि बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में अकेले 100 करोड़ रुपये से अधिक की सड़कों की स्वीकृति मिली है।

सायबर ठगी के लिए खाता उपलब्ध कराने वाले खाताधारकों पर कार्यवाही

रायपुर/ संवाददाता

दुर्ग पुलिस द्वारा बंधन बैंक सुपेला में खाता खोलकर उनका उपयोग साइबर ठगी में किए जाने वाले खाता धारको के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। 27 आरोपियों द्वारा बंधन बैंक में म्यूल अकाउंट खोलकर उनके साइबर फ्राड से प्राप्त एक करोड़ बीस लाख से अधिक रकम का अवैध लेन देन किया गया था। मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से प्राप्त जानकारी का अनुसार म्युल एकाउंट जिनका इस्तेमाल सायबर धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का व्ययन करने , उपयोग करने व संवर्धन करने के लिये उपयोग मे लाया गया है जिसमे बंधन बैंक शाखा नेहरू नगर मे कुल 27 बैंक खाता मे खाता धारक द्वारा सायबर धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि 1करोड़ 20लाख 57हजार 549 रुपयो का अवैध रूप से लेन देन होना पाये जाने एवं प्रकरण साइबर फ्रॉड से संबंधित होना पाये जाने से थाना सुपेला में अपराध? क्रमांक 1322/2025 धारा 317(2), 318(4), 3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान संबंधित खाता धारकों द्वारा खातो का उपयोग साइबर फ्रॉड से प्राप्त रकम के अफरा तफरी में किया जाना पाए जाने से आरोपीगण (1) रनजीत महानंद पिता जेहेल महानंद उम्र 24 साल निवासी रावणभांठा सुपेला जिला दुर्ग. (2) श्रीमति परमीला बाई पति कमल नारायण जंघेल उम्र 48 साल निवासी शिवाजी नगर खुर्सीपार थाना खुर्सीपार जिला दुर्ग, (3) के. आकाश राव पिता के0 डिलेश्वर राव उम्र 20 साल निवासी सेक्टर 02 सडक नं. 15 बी. ब्लाक 14 कमरा नं0 10 मिलाई थाना भिलाई भटठी जिला दुर्ग (4) विपिन कुमार सिरसाम पिता शंकर लाल सिरसाम उम्र 35 साल निवासी रिसाली सेक्टर 31/01 जी भिलाई, थाना नेवई जिला दुर्ग (5) मानवी बेरी पति स्व0 किशन बेरी उम्र 49 साल निवासी सेक्टर 04 सडक नं. 05 मकान नं. 22 ई भिलाई, थाना भिलाई भटठी जिला दुर्ग।

सवा करोड़ की सायबर ठगी ओडिशा के दो ठग गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर सवा करोड़ रूपये की ठगी करने वाले दो ठगों को आडिशा से गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार किये गये है। सवा करोड़ की शेयर ट्रेडिंग ठगी का पर्दाफाश साईबर ठग गिरोह के अन्य मिली जानकारी के अनुसार थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव के शेयर टेड्रिंग मामला में साईबर अपराधियों द्वारा एक युवा व्यापारी को फर्जी वेबसाईट का लिंक भेजकर ज्यादा मुनाफा दिलाने के नाम पर 1,21,53,590- (एक करोड़ ईक्कीस लाख तिरेपन हजार पांच सौ नब्बे) रूपये का ठगी किया गया था। सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना कोतवाली द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये तकनीकी सहायता से मामले में पूर्व में 03 आरोपियों को मध्यप्रदेश सिहोर व इंदौर क्षेत्र से धर दबोचा गया था। अब इसी कड़ी में गिरोह के अन्य 02 आरोपियों को भूवनेश्वर ओडिसा से पकड़ कर लाया गया है। आरोपियों द्वारा खाता धारकों के मोबाईल में एपीके एप्प इंस्टाल कराकर ओटीपी व मोबाईल का एक्सेस साईबर ठग गिरोह तक पहुचांता था। आरोपियों को कमीशन क्रिप्टो में मिलता था। थाना कोतवाली क्षेत्र में शेयर ट्रेडिंग का मामला पुलिस के संज्ञान में आने पर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार एवं थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर जल्द से जल्द आरोपियों की पतातलाश करने हेतु निर्देश दिया गया, जिसपर सायबर सेल द्वारा प्रार्थियों के बैंक मनीट्रेल और आरोपियों के बैंक डिटेल।

विधायक किरण देव ने जामावाड़ा धान खरीदी केंद्र में व्यवस्था का किया निरीक्षण

ननकीराम ने कलेक्टर के विरूद्ध कमिश्नर की जांच रिपोर्ट मांगी आरटीआई से

14 बिन्दुओं पर ननकीराम ने कलेक्टर कोरबा के विरूद्ध की थी शिकायत....

रायपुर। संवाददाता

पूर्व मंत्री एवं भाजपा के पूर्व नेता ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर को हटाने की अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। पिछले दिनों उन्होंने सरकार के विरूद्ध ही मोर्चा खोल दिया था। सरकार ने बिलासपुर कमिश्नर को कोरबा कलेक्टर की जांच के लिए अधीकृत किया था यह रिपोर्ट आ गई है। अब ननकीराम आरटीआई से यह रिपोर्ट लेने का प्रयास कर रहे हैं। रिपोर्ट आने के पश्चात सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ननकीराम पूर्व में भी मुख्यमंत्री निवास के घेराव की चेतावनी दे चुके हैं। इसके पश्चात उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। अब इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने कलेक्टर कोरबा की शिकायत राज्य शासन से की थी। राज्य शासन ने उन्हें जांच के निर्देश दिए थे। सभी 14 बिन्दुओं पर जांच कर गत 24 नवंबर 2025 को राज्य शासन को रिपोर्ट सौंप दी है। अब आगे की कार्रवाई शासन को करनी है। इससे नाराज अब पूर्व मंत्री श्री कंवर आरटीआई के जरिए जांच रिपोर्ट के दस्तावेज मांगने की तैयारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पूर्व मंत्री श्री कंवर ने गत 21 सितंबर 2025 को कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ 14 बिन्दुओं की शिकायत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस शिकायत को जांच के लिए भेजा और सामान्य प्रशासन विभाग ने गत एक अक्टूबर 2025 को जांच की जिम्मेदारी बिलासपुर कमिश्नर को सौंपी। इस आशय का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव मनोज कुमार के हस्ताक्षर से जारी हुआ था।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में लगभग 91 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर की तिथि बढ़ाए जाने के बाद अब बीएलओ घर-घर दस्तक दे रहे हैं। वहीं राजनीतिक दलों के एजेंट भी मतदाताओं का नाम 2003 की सूची में खोजने के लिए मशक्कत कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की के कार्यक्रम को आगे बढ़ा दिया है। जिसके कारण यहां पर बीएलओ एक बार मतदाताओं को छूटे नामों की तलाश कर रहे हैं। इनमें से कई शादी-शुदा महिलाएं अन्य शहरों में चले गई है और अन्य शहरों से महिलाएं यहां शादी होकर आए हैं, जिसके कारण 2003 की सूची को खोजना मुश्किल हो गया है, लेकिन इस समय राजनीतिक दलों को कार्यकर्ता विशेष सहयोग नहीं कर पा रहे हैं। उनका कहना है कि हमें मैदानी कार्य करने के लिए उचित लाभ नहीं दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के लिए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्य का संचालन 04 नवम्बर 2025 से पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ जारी है। बीएलओ द्वारा प्रदेशभर में घर-घर जाकर पंजीकृत मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन तेजी से प्रगति पर है।

अंबिकापुर क्षेत्र के लिए कई रेल लाइन परियोजनाए तेज

रायपुर। संवाददाता

अंबिकापुर तथा छत्तीसगढ़ क्षेत्र में रेल संपर्क को सुदृढ़ बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा हाल के वर्षों में रेल परियोजनाओं को अभूतपूर्व गति प्रदान की जा रही है। यह जानकारी आज लोकसभा में पूछे गए एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। मंत्री ने बताया कि यह प्रश्न सांसद चिन्तामणि महाराज द्वारा पूछा गया था। अंबिकापुर क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में कई महत्वपूर्ण सर्वेक्षण एवं परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। बोरिडांड-अंबिकापुर (सुरजपुर) दोहरीकरण परियोजना (80 किमी) पर कार्य आरंभ किया जा चुका है। अंबिकापुर-रामानुजगंज बरवाडीह नई रेल लाइन तथा रामानुजगंज-गढ़वा रोड सहायक लाइन (262 किमी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। इसी प्रकार सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर नई रेल लाइन (218 किमी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूर्ण कर ली गई है। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ के लिए रेल बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-14 के दौरान जहाँ औसत वार्षिक आवंटन 311 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 6,925 करोड़ रुपये हो गया है—जो 22 गुना से अधिक वृद्धि दर्शाता है।

जिले में किसानों से पारदर्शिता के साथ सुगमतापूर्वक हो रही धान खरीदी

धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्था और भी सरल,सुविधाजनक एवं पारदर्शी

रायपुर/ संवाददाता

विष्णु के सुशासन में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में किसानों से पारदर्शिता के साथ सुगमतापूर्वक धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिले के 66 सहकारी समितियों के 105 धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं से किसानों को धान विक्रय करने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो रही है और उनका धान आसानी से विक्रय हो रहा है। पथरिया विकासखण्ड के कपुवा उपार्जन केंद्र में धान विक्रय करने पहुंचे किसान श्री रतिराम चतुर्वेदी ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 88.80 क्विंटल धान का विक्रय किया है। उन्होंने कहा कि इस बार केंद्रों में व्यवस्था और भी सरल, सुविधाजनक एवं पारदर्शी है। इलेक्ट्रॉनिक तौल, बारदाना की व्यवस्था, टोकन तुहर हाथ ऐप से टोकन की सुविधा, पेयजल, छाया सहित तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की सुविधा तथा 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य का लाभ मिलने से किसानों को आर्थिक मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि किसान-हितैषी नीतियों एवं बेहतर व्यवस्थाओं से किसानों का प्रशासन पर भरोसा और भी मजबूत हुआ है। श्री चतुर्वेदी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन को किसानों के हित में उत्कृष्ट व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी और 31 सौ रुपए के हिसाब से प्रति क्विंटल धान की राशि दी जा रही है। इससे न केवल किसानों के फसलों का उचित दाम मिल रहा है, बल्कि किसानों का मान भी बढ़ा है। आसान भुगतान की सुविधा प्रदान करने के लिए समितियों में माइक्रो एटीएम की सुविधा एवं किसानों को एटीएम कार्ड एवं चेक प्रदान किया गया है, इससे किसानों की जरूरी आवश्यकताएं पूरी होने के साथ ही उनके हक का पैसा उन्हें मिल रहा है। किसान आर्थिक रूप से समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

किसान उदयराम बने दो ट्रैक्टरों के मालिक

छत्तीसगढ़ शासन की कृषि हितैषी नीतियों और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलने का परिणाम आज ग्रामीण अंचलों में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। किसान आर्थिक समृद्धि की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसी ही सफलता की प्रेरक कहानी है ग्राम कौडुटोला के किसान श्री उदयराम साहू की, जिन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाते हुए अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है और आज वे दो ट्रैक्टरों के स्वामी बन चुके हैं। कभी बैलों और किराए के साधनों पर निर्भर रहने वाले श्री साहू के खेतों में अब ट्रैक्टर से कम समय में अधिक कार्य हो रहा है। ट्रैक्टर आने से न केवल उनका श्रम और समय बचा, बल्कि उत्पादन क्षमता भी कई गुना बढ़ी। इससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हुई है और खेती अब उनके लिए मात्र आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का मजबूत आधार बन चुकी है। श्री साहू ने बताया कि इस वर्ष धान विक्रय प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल एवं पारदर्शी है। उन्होंने टोकन प्राप्त कर आसानी से अपना धान चौकी धान उपार्जन केंद्र में विक्रय किया।

संपादकीय

शीतकालीन सत्र में बहस हो, हंगामा नहीं...

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है और विपक्ष ने अपने मुद्दे साफ कर दिए हैं। पीएम मोदी मानसून सत्र के शुरु दिन कहा नीति पर बात हो ड्रामा न हो। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में स्ढ्ढक्रहै। लेकिन, सरकार और विपक्ष - दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीत सत्र एक से 19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है। इसके साथ विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, स्ढ्ढक्र वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।लेकिन, कमोबेश इसी तरह की सहमति हर बार सेशन शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकों में दिखती है और कार्यवाही शुरू होने के बाद राजनीति हावी हो जाती है। बीता हुआ मॉनसून सत्र इसका उदाहरण है, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31त्न के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39त्न रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे।इस बार भी सदन के बाहर की सियासी स्थिति तनाव भरी है। 12 राज्यों में हो रहे स्पेशल इंटेंशिप रिवीजन को लेकर विपक्ष की आपत्तियों की लिस्ट लंबी है। वह लगातार इस प्रक्रिया के औचित्य और पारदर्शिता पर सवाल उठा रहा है। इसे लेकर दोनों सदनों में भी भिड़ंत देखने को मिल सकती है, लेकिन यह दोनों पक्षों को समझना होगा कि हंगामेबाजी से किसी सवाल के जवाब नहीं मिलेंगे। सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है, विपक्ष का काम ही है सरकार को घेरना और सवाल उठाना।

भारत का आर्थिक विकास- सहकारिता से समृद्धि की ओर

(प्रह्लाद सबनानी)

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं।

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि' का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स?वैच्छिक सदस?यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस?यों की भागीदारी; सदस?यों की आर्थिक भागीदारी; स?वायत?तता और स?वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना- कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में

सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब सहकार से समृद्धि की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है। देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनो में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। 'सहकारिता से विकास' का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चीन ने अमेरिका को दी पटखनी, अंतरिक्ष में सुपरपावर से पहले भेजी एआई सैटेलाइट

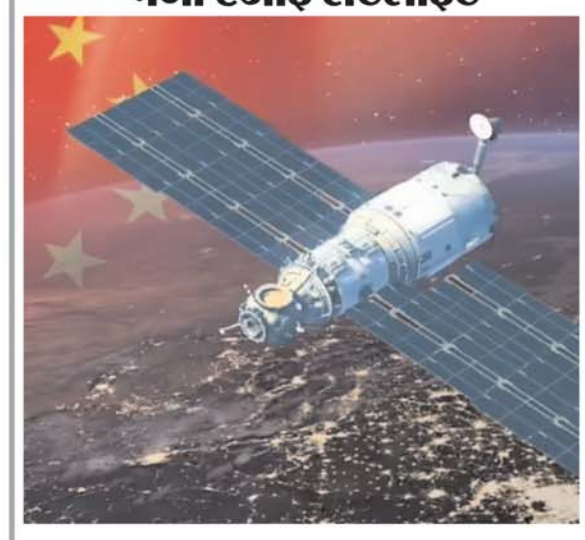

(रौनक भैड़ा)

अमेरिका की एक छोटी कंपनी स्टारक्लाउड ने भी एक फ्रिज जितनी बड़ी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजी। उसमें एनवीआईडीआईए का शक्तिशाली एच100 चिप लगा था। यह सैटेलाइट स्पेसएक्स के रॉकेट से नवंबर 2025 में गई। एलन मस्क ने कहा था कि अगले साल से उनकी कंपनी स्टारलिंक के जरिए अंतरिक्ष में पूरा डेटा सेंटर बना सकती है। मस्क का कहना है कि चार-पांच साल में सोलर पैनल से चलने वाली एआई सैटेलाइट सबसे सस्ता और तेज तरीका होंगी। लेकिन अमेरिका इस मामले में चीन से पिछड़ गया है, क्योंकि चीन ने पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वाली पहली सैटेलाइट स्पेस में सफलतापूर्वक भेज दी थी।

ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट बताती है कि चीन द्वारा भेजी गई सैटेलाइट का नाम है 'डोंगफांग हुईयान गाओफेन 01' है। यह सैटेलाइट दिसंबर 2024 में लॉन्च हुई थी। यह काम अमेरिका से पहले हो गया। चीन की सैटेलाइट में जो एआई मॉडल लगा है, उसका नाम है जीगोन जीपीटी है। यह दुनिया की पहली ऐसी सैटेलाइट है जो अंतरिक्ष में ही तस्वीरों को देखकर खुद समझ सकती है और नई तस्वीरें भी बना सकती है। हान यिन्हे ने कहा कि हमने सबसे पहले अंतरिक्ष में जेनरेटिव एआई की ताकत साबित की है। इस सैटेलाइट से बना एक डिजिटल ह्यूमन 'वीबो' सोशल मीडिया पर लोगों से सीधे बात कर सकता है। यह बहुत तेजी से जवाब देता है क्योंकि डेटा जमीन पर नहीं आता-जाता। इससे साबित हो गया कि बड़ी एआई मशीनों को अंतरिक्ष में चलाया जा सकता है। हान ने बताया कि अमेरिका ने चीन को अच्छी चिप्स नहीं बेचीं, इसलिए हमने अपना हाई-स्पीड जीपीयू खुद बनाया। हमने एक सैटेलाइट में कई जीपीयू जोड़कर नया सिस्टम तैयार किया। यह सिर्फ चिप्स जोड़ना नहीं है, बल्कि पूरी नई तकनीक है। हमने गर्मी और बिजली की समस्या भी हल की। हमारा लक्ष्य है अंतरिक्ष में बड़ा सुपरकंप्यूटर सेंटर बनाना। हान ने समझाया कि आज सैटेलाइट तस्वीरें जमीन पर भेजती हैं, फिर वहां प्रोसेस होती हैं। इसमें समय लगता है। अगर बाढ़ या भूकंप की चेतावनी देनी हो तो देर हो जाती है। अंतरिक्ष में ही एआई होने से सेकंडों में फैसला हो जाएगा। इससे आपदा से पहले चेतावनी मिल सकेगी। चीन ने कहा कि हम दूसरे देशों के साथ मिलकर काम करेंगे। कम खर्चे में तेज डेटा सर्विस देंगे। तकनीक के नियम भी सबके साथ बनाएंगे। हान ने कहा कि यह सिर्फ तकनीकी रेस नहीं है, यह तय करेगा कि भविष्य का अंतरिक्ष डेटा सिस्टम कौन बनाएगा। अगले साल 2026 में चीन एक सैटेलाइट में कई जीपीयू वाला पूरा सुपरकंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म अंतरिक्ष में भेजेगा। साथ ही अंतरिक्ष के लिए खास मजबूत चिप भी तैयार हो जाएगी। अंतरिक्ष में एआई की यह जंग अब और तेज होने वाली है।

बस्तर में हो रहा है सुनहरा सवेरा...

(नंदन जैन)

हिंसा का खेल खेलने वाले नक्सली चौतरफा सरकारी प्रयासों के चलते या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या कार्रवाई में ढेर हो रहे हैं। दूसरी ओर, जिन अंदरूनी इलाकों तक दशकों तक विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी थी, वहां आज सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वास्तविक रूप ले रही हैं। जब किसी भी समस्या के समाधान के प्रति नेतृत्व की इच्छा शक्ति सच्चे अर्थों में सक्रिय होती है, तो बड़ी से बड़ी चुनौती भी घुटने टेक देती है। नक्सलवाद के संदर्भ में जो परिणाम आज देश देख रहा है, वह केन्द्र और राज्य सरकारों के संकल्पित प्रयासों का ही फल है। जो बस्तर कभी लाल आतंक का प्रमुख गढ़ माना जाता था, वहां अब स्थायी शांति अपना आधार मज़बूत कर रही है। हिंसा का खेल खेलने वाले नक्सली चौतरफा सरकारी प्रयासों के चलते या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या कार्रवाई में ढेर हो रहे हैं। दूसरी ओर, जिन अंदरूनी इलाकों तक दशकों तक विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी थी, वहां आज सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वास्तविक रूप ले रही हैं। पिछली उदासीन सरकारों और स्वार्थी माओवादियों ने जिन आदिवासियों को छला और लोकतंत्र से दूर रखा, वही समुदाय आज विकास की मुख्यधारा में जुड़ रहा है। भले ही नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा हो, लेकिन इसके दशकों पुराने घाव बेहद गहरे हैं। सैकड़ों जवानों और निर्दोष नागरिकों की हत्या, विकास से पूरी पीढ़ियों को वंचित रखना और भय का वातावरण ये सब नक्सलवाद की भयावह विरासत रही है। 2000 के दशक की शुरुआत में इसकी ताकत चरम पर थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों और संकल्प के अभाव में कांग्रेस सरकारें इस खतरे पर निर्णायक प्रहार नहीं कर सकीं। उस दौर में बस्तर से लेकर राजनांदगांव, गरियाबंद और कवर्धा तक आतंक की जड़ें फैल चुकी थीं। नक्सलियों का लक्ष्य दंतेवाड़ा से दिल्ली तक लाल झंडा फहराने का था, जिसे अर्बन नक्सल नेटवर्क से भी समर्थन मिलता था। लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इस गंभीर खतरे को नज़रअंदाज़ कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 200 जिले माओवादी आतंक की चपेट में आ गए और विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ। इसके विपरीत, आज मोदी सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार ने स्पष्ट रूप से समझा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को उनके हाल पर छोड़कर देश पूर्ण विकास प्राप्त नहीं कर सकता। मजबूत इच्छा शक्ति और कठोर कार्रवाई के परिणाम आज सामने हैं। आज बस्तर ही नहीं पूरा दंडाकारण्य क्षेत्र विकास का नया अध्याय लिखने को आतुर है। यह क्षेत्र भगवान राम के वनवास काल से जुड़ा है, बस्तर में रामपाल गांव, रामाराम मंदिर (सुकमा), राकसहाड़ा

और कांगेर घाटी नेशनल पार्क भी भगवान राम से संबंधित हैं। नक्सलवाद के खग्रास ग्रहण से अब बस्तर मुक्त हो रहा है। अब एक बार फिर यहां भगवान राम का गौरव स्थापित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में विष्णुदेव साय सरकार यहां राम राज्य स्थापित के लिए संकल्पित है। यही फर्क है एक तरफ इच्छा शक्ति वाली सरकार और दूसरी तरफ उदासीन शासन की नाकामी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश का विपक्ष भी इस सफलता को नकारात्मक चश्मे से देखने में लगा है। कुछ नेता यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि बस्तर में उद्योगपतियों के लिए जमीन तैयार करने हेतु नक्सलवाद का सफाया किया जा रहा है। इससे भी अधिक खतरनाक यह है कि कुछ राजनीतिक बयानबाजी नक्सलियों को आदिवासियों का संरक्षक और जंगलों का रक्षक बताने लगती है। यह सीधेङ्कसीधे एक क्रूर, हिंसक विचारधारा को जीवित रखने की कोशिश है जो भविष्य के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। हाल ही में मुठभेड़ में मारे गए दुर्दांत नक्सली कमांडर हिड़मा को लेकर कुछ लोग उसके हमदर्द के रूप में सामने आए हैं। कुछ तो उसे बस्तर का रक्षक तक बताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस राजनीतिक चाल से सावधान रहने की आवश्यकता है। हिड़मा कोई निर्दोष व्यक्ति नहीं था; उसके हाथ सैकड़ों लोगों के खून से सने हुए थे। ऐसे हिंसक व्यक्ति को आदर्श या प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना, उसे महिमामंडित करना–नक्सलवाद को पोषित करने जैसा ही है। यह दुर्दांत हत्यारा बस्तर का आदर्श कैसे हो सकता है? हद तो तब होती है जब दिग्विजय सिंह जैसे बड़े कांग्रेसी नेता हिड़मा को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करते हैं। जिनके मुख्यमंत्री रहते हुए अविभाजित मध्यप्रदेश में बस्तर को कालापानी की सजा कहा जाता था, उस दौरान ही नक्सलियों ने यहां अपनी जड़ें मजबूत कीं। दिग्विजय सिंह के शासनकाल में ही वर्ष 1995 में हिड़मा सहित कई युवा सरकारी उपेक्षा के कारण लाल आतंक की राह पर चल पड़े थे । हमारा स्पष्ट मानना है कि भगवान बिरसा मुंडा, महान योद्धा गुंडाधुर, परलकोट के राजा गेंद सिंह और शहीद वीर नारायण सिंह ही आदिवासी समाज के वास्तविक आदर्श हैं। आदिवासी समाज हिड़मा या बसव राजू जैसे हिंसक व्यक्तियों को अपना हीरो नहीं मान सकता, क्योंकि उसकी परंपरा सदियों से इन्हीं महान नायकों को पूजती आ रही है। यदि बस्तर में नक्सलवाद के उभार के मूल कारणों को याद करें तो सबसे प्रमुख कारण था आदिवासियों का प्रशासनिक तंत्र द्वारा शोषण और लगातार उपेक्षा। तब की कांग्रेस सरकारें न केवल बस्तर बल्कि देश के तमाम आदिवासी क्षेत्रों के प्रति उदासीन थीं। इसी खालीपन का फायदा उठाकर आंध्रप्रदेश से आए माओवादी यहां जड़ें जमाने में सफल हुए। तत्कालीन कांग्रेस सरकार की शह पर 25 मार्च 1966 को बस्तर महराज प्रवीरचंद भंजदेव की हत्या हो या पुलिस अत्याचार इन घटनाओं ने सरकार और आदिवासियों के बीच अविश्वास की गहरी खाई बना दी। इसी खाई में माओवादियों ने अपनी जड़ें गहरी कीं और दशकों तक समानांतर शासन चलाते रहे। गौरतलब है कि प्रवीरचंद भंजदेव बस्तर में आदिवासियों में बेहद लोकप्रिय थे, वे सरदार वल्लभभाई पटेल के समक्ष विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पहले राजाओं में से एक थे, इसके चलते पटेल के साथ उनके करीबी संबंध बन गए थे। भजदेव ने कुछ और रियासतों को भी विलय कराने में मदद की थी, इसलिए भी कांग्रेस में एक बड़े खेमे को वे चुभने लगे थे। पटेल के नहीं रहने के बाद उनके योगदान को कमतर करने की कोशिश आजादी के बाद कांग्रेस सरकारों द्वारा हुई ये किसी से छुपी नहीं है। भंजदेव का कांग्रेस नेतृत्व के साथ मतभेद का परिणाम था कि उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया था और पार्टी छोड़ दी थी इसके बाद कांग्रेस के साथ उनका मतभेद बढ़ता चला गया, आखिरकार पुलिस ने बेरहमी से गोलियां बरसाते हुए दरबार हाल के पास ही इस महानायक की हत्या कर दी गई । यह ऐतिहासिक भूल कांग्रेस आज भी दोहरा रही है नक्सलवाद के सफाए को लेकर भ्रम फैलाकर।

इस नए भ्रमवाद से सावधान रहा जाए। नक्सलवाद के सफाए के इस निर्णायक चरण में देश को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए, न कि झूठे भ्रम और राजनीतिक चश्मे से इस राष्ट्रीय उपलब्धि को कमजोर करने का प्रयास करना चाहिए। (लेखक प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा छत्तीसगढ़ है)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अनुराग त्रिपाठी को मिला राज्य स्तरीय गहिरा गुरु लोक शिक्षक अवार्ड-2025

जैविक कृषि प्रशिक्षण और कृषक-उत्थान में योगदान पर सम्मानित

कोण्डागांव। जैविक खेती के प्रचार और किसान-उत्थान में वर्षों से अद्वितीय योगदान दे रहे अनुराग कुमार त्रिपाठी, निदेशक, मां दंतेश्वरी हर्बल समूह, को छत्तीसगढ़ की राजधानी में आयोजित एक गरिमापूर्ण राज्य स्तरीय समारोह में 'गहिरा गुरु लोक शिक्षक अवार्ड-2025' से अलंकृत किया गया। यह सम्मान समता साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा प्रदान किया गया। अनुराग त्रिपाठी पिछले कई वर्षों से देश-विदेश से फार्म भ्रमण पर आने वाले प्रगतिशील किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, युवा उद्यमियों और प्रशिक्षणार्थियों को जैविक खेती, प्राकृतिक खाद निर्माण, बीज-संवर्धन, हर्बल दवाइयों के निर्माण तथा कृषि-आधारित उद्यमिता पर पूर्णतः निशुल्क प्रशिक्षण देते रहे हैं। अब तक उनके द्वारा देशभर के लाखों किसानों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिससे बस्तर सहित पूरे भारत में जैविक खेती का एक मजबूत आधार विकसित हुआ है। सम्मान समारोह में यह अलंकरण छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष (कैबिनेट दर्जा) शशांक शर्मा, समता साहित्य अकादमी के प्रांताध्यक्ष जी. आर. बंजारे 'ज्वाला' तथा उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने प्रदान किया। कार्यक्रम में उनकी प्रतिबद्धता, कृषि नवाचारों और किसान-केंद्रित कार्यशैली की सराहना की गई। समता साहित्य अकादमी द्वारा यह अवार्ड उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और लोक-शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट और दीर्घकालिक योगदान देते हैं। अनुराग त्रिपाठी का चयन, जैविक कृषि आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी निरंतर निस्वार्थ सेवाओं के लिए किया गया। गौरतलब है कि अनुराग त्रिपाठी के नेतृत्व में मां दंतेश्वरी हर्बल फार्म एवं रिसर्च सेंटर बस्तर देशभर में जैविक कृषि प्रशिक्षण का एक मॉडल केंद्र माना जाता है। यहां प्रतिवर्ष हजारों किसान नई तकनीकों, उच्च उपज वाले औषधीय पौधों, मिटटी सुधार मॉडलों और रसायनमुक्त कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इस सम्मान से बस्तर, छत्तीसगढ़ और मां दंतेश्वरी हर्बल समूह के सदस्यों तथा अंचल के किसानों में अत्यंत हर्ष और गर्व की भावना है।

नारंगी नदी में जल संरक्षण की अनदेखी से बढ़ रहा कोंडागांव नगर में पेयजल संकट का खतरा

कोण्डागांव। कोंडागांव नगर की जीवनदायिनी नारंगी नदी में जल संरक्षण को लेकर संबंधित विभागों की सुस्ती अब नगरवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। ग्रीष्म ऋतु की ओर बढ़ते कदमों के साथ नगर में पेयजल संकट का खतरा और गहरा रहा है, लेकिन नदी में मौजूद जोंधरापदर एनीकट तथा खड़कघाट स्टॉप डैम में जल संरक्षण संबंधी कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं दे रही। स्थानीय लोगों ने बुधवार को दोनों स्टॉप डैम का स्थल निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और तस्वीरें मीडिया के साथ साझा कीं। उनका कहना है कि इन संरचनाओं में पानी का स्तर लगातार घट रहा है, जबकि विभागों की ओर से न तो मरम्मत, न सफाई और न ही जल भराव बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं। नगरवासियों का स्पष्ट मत है कि यदि प्रमुख नदियों में जल संरक्षण कार्य समय रहते शुरू नहीं किए गए, तो आने वाले महीनों में भूमिगत जल स्तर तेजी से गिर सकता है, जिससे नगर के अधिकांश मोहल्लों में पानी की गंभीर किल्लत खड़ी हो जाएगी। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर जल संरक्षण, डैमों की मरम्मत, गाद निकालने और पानी रोकने की प्रभावी व्यवस्था किए बिना शहर को संभावित जल संकट से बचाना संभव नहीं होगा। नगरवासियों का आग्रह है कि प्रशासन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सर्वे कर उचित व ठोस कदम उठाए, जिससे आने वाले ग्रीष्मकाल में लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य, शिक्षा व बाल सुरक्षा पर एनएसएस व यूनिसेफ ने बढ़ाया कदम ग्राम संपर्क अभियान का हुआ सफल संचालन

कोण्डागांव। यूनिसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'सुरक्षित पारा - सुरक्षित लइकामन 3.0' ग्राम संपर्क अभियान का समापन किया गया। यह अभियान 26 नवंबर से 1 दिसंबर तक माकड़ी विकासखंड के विभिन्न चयनित गांवों में आयोजित किया गया। अभियान का संचालन छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग की पदेन उपसचिव एवं राज्य एनएसएस अधिकारी नीता बाजपेई, शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजीवन कुमार तथा जिला कोंडागांव के जिला संगठक शशिभूषण कन्नौजे के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान के दौरान एनएसएस स्वयंसेवक शामपुर, माकड़ी, सलना, बड़गांव, हड़ीगांव, मारागांव, दंडवन, काटागांव, बुडरा, ठेमगांव, ओंडरी, गुलेरा, लुभा, बेलगांव, तमरावंड, पीड़ापाल, जरण्डी, उमरगांव, राकसबेड़ा और कालीबेड़ा सहित कई ग्रामों में पहुंचे और स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, नशामुक्ति, गुड टच बैड टच, बाल अधिकार तथा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता गतिविधियाँ संचालित कीं। स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक, देशी खेल, रैली और नारा-लेखन जैसे माध्यमों के जरिए ग्रामीणों को बाल श्रम के दुष्प्रभाव, शिक्षा के महत्व तथा नशा करने से होने वाले मानसिक एवं व्यवहारिक परिवर्तन के बारे में जानकारी दी। प्राथमिक शालाओं और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को भी इन गतिविधियों से जोड़कर महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम में शासकीय गुंडाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोंडागांव की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम, कार्यक्रम अधिकारी समलेश पोटाई, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी रामप्रसाद पेंड्रो एवं नवीन शासकीय महाविद्यालय माकड़ी के कार्यक्रम अधिकारी वृद्धाधर नरोजी ने स्वयंसेवकों के उत्साह, सेवा-भाव और जागरूकता गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्हें सफल अभियान के लिए बधाई दी। अभियान में उमिता, अश्मिता, समीर, चंद्रशेखर, माखन, रीता, भूपेंद्र, जयंती, प्रियंका, गोमती, त्रिलोचन और निखिलेश सहित कुल 60 सक्रिय स्वयंसेवकों का चयन किया गया था, जिन्होंने पूरे समर्पण के साथ ग्राम संपर्क में अपनी भूमिका निभाई। सुरक्षित पारा सुरक्षित लइकामन ग्राम संपर्क अभियान के समापन कार्यक्रम में ग्राम मारागांव के सरपंच, पूर्व सरपंच, युवा समिति एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।

टाटामारी में हुआ वृत्त स्तरीय वैद्यों का सम्मेलन, जानकारियों का हुआ आदान-प्रदान

केशकाल। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे रजत जयंती के अवसर पर केशकाल वनमण्डल द्वारा इको पर्यटन केंद्र टाटामारी में भी सात दिवसीय हर्बल मेला एवं परंपरागत वैद्यों का सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में कांकेर वृत्त अंतर्गत लगभग 150 वैद्यराज शामिल हुए। जिसमें वन विभाग की एसडीओ सुषमा जे. नेताम एवं वनौषधि बोर्ड की ओर से आई वनस्पति विज्ञान सलाहकार संगीता श्रीवास्तव द्वारा सभी वैद्यराजों के साथ विभिन्न प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा किया गया। इस दौरान केशकाल रेंजर कृष्णा ठाकुर, रामप्रसाद यादव, नरेंद्र मेश्राम, मिर्जा फिरोज बेग समेत वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पारंपरिक ज्ञान साझा करने का मौका मिलता है- इस सम्बंध में वनस्पति विज्ञान सलाहकार संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि वैद्यराजों का सम्मेलन आयोजित करने का उददेश्य है कि कोंडागांव, केशकाल, कांकेर, नारायणपुर, भानुप्रतापपुर, नरहरपुर, एवं कापसी जैसे अलग अलग क्षेत्रों के वैद्यराज अपने पारम्परिक ज्ञान को एक दूसरे से साझा करें। ताकि उनका ज्ञान और बढ़ सके। साथ ही अलग अलग क्षेत्रों में विलुप्त हो रही औषधियों की प्रजातियों के सम्बंध में भी चर्चा कर उसका अभिलेखीकरण किया जा रहा है।

कार्यशैली में सुधार एवं सीखने का अवसर मिला- वन औषधालय फरसगांव से आए वैद्यराज रामप्रसाद निषाद ने बताया कि यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे अलग-अलग क्षेत्र के वैद्यराज जो कि परंपरागत औषधीय से लोगों का उपचार करते हैं। उन्हें अपनी कार्यशैली व ज्ञान एक दूसरे से सीखने और सीखाने एवं सुधार करने का मौका मिलता है।

स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम करते हैं वैद्य- ग्राम सिंगनपुर के वैद्य श्यामलाल जो की हडडी विशेषज्ञ के रूप में मशहूर है। उन्होंने बताया कि हम पिछले तीन पीढ़ी से यह काम कर रहे हैं। हम स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम करते हैं। किसी भी बीमारी का इलाज करने के साथ साथ हम उन्हें अस्पताल जाकर डॉक्टरों से भी परामर्श लेने की सलाह देते हैं।

वैद्यराजों को भी मानदेय मिलना चाहिए- वैद्यराज कुंवर सिंह साहू ने बताया कि हम पीढ़ी दर पीढ़ी वैद्यराज के रूप में आम जनता की सेवा कर रहे हैं। लेकिन विडंबना यह है कि हमें शासन की ओर से कोई मानदेय नहीं मिलता है। हम शासन प्रशासन से मांग करते हैं कि जिस प्रकार से वन विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारियों को वेतन और मानदेय मिलता है, इसी प्रकार से हम सभी वैद्यराजों को भी मानदेय देना चाहिए।

रावघाट खदान क्षेत्र में सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी : संतोष शर्मा

रावाघाट/नारायणपुर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रावघाट लौह अयस्क खदान में खान सुरक्षा महानिदेशालय बिलासपुर एवं रायगढ़ परिक्षेत्र के तत्वाधान में 41वें खान वार्षिक सुरक्षा पखवाड़ा समारोह का आयोजन किया गया। सुरक्षा पखवाड़ा के तहत खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा नामित निरीक्षण दल द्वारा खदान का अवलोकन किया गया । इस वर्ष यह कार्यक्रम बारूद के रखरखाव तथा सदुपयोगिता विषय पर आयोजित किया गया था । अधिशासी निदेशक (रावघाट) अरुण कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक अनुपम बिष्ट के नेतृत्व में रावघाट खदान को धातु युक्त खान विनियम 1961 में उल्लेखित समस्त सुरक्षा दिशा-निर्देशों के अनुसार न केवल दुरुस्त किया गया बल्कि खदान के समस्त इकाइयों को साफ सफाई तथा रंग-रोगन करके प्रदर्शन योग्य बनाया गया। रावघाट लौह अयस्क खदान में खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) बिलासपुर क्षेत्र 1 व 2 तथा रायगढ़ क्षेत्र के तत्वाधान में आयोजित 41वें वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खदानों में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना, कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना, और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर सुरक्षा मानकों का निरीक्षण करने पहुंचे कार्यक्रम के संयोजक संतोष शर्मा, सदस्य संजय यादव (सेफ्टी मैनेजर) और विक्रांत सिंह परिहार (वर्कमैन इंस्पेक्टर) की कार्यक्रम मे गरिमामय उपस्थिति रही। रावघाट माइंस क्षेत्र में निरीक्षण टीम ने सबसे पहले खोडगांव स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर यह बताया कि प्रबंधन और खान सुरक्षा महानिदेशालय कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को खदान सुरक्षा के साथ प्राथमिकता देते हैं। निरीक्षण के पश्चात संयोजक संतोष शर्मा के नेतृत्व में निरीक्षण दल ने रावघाट माइंस के अंजरेल ब्लॉक स्थित मुख्य कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर वृक्षारोपण किया। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति रावघाट माइंस की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करते हुए रावघाट माइंस मैनेजर के.के.गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए खदान से संबंधित सुरक्षा एवं सावधानियों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सुरक्षा सिर्फ नियमों का पालन नहीं, बल्कि हर कर्मचारी के जीवन का अभिन्न अंग है। इस अवसर पर निरीक्षण दल के सदस्य संजय यादव और विक्रांत सिंह परिहार ने रावघाट माइंस में अपनाए गए उच्च सुरक्षा मानकों की विशेष रूप से तारीफ करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास खदान को एक सुरक्षित कार्यस्थल बनाने की दिशा में उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम में उपमहाप्रबंधक वागेश तिवारी ने खदान के सुरक्षित परिवेश की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रबंधन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

जोन स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन, बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभाएं

केशकाल। केशकाल के पीएम सेजेस मैदान बोरगांव मे त्रिदिवसीय जोन स्तरीय शारीरिक बौद्धिक एवं सांस्कृतिक बाल क्रीड़ा का उदघाटन हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल शोरी ने शामिल हुए। संकुल केंद्र सुरडोंगर, डिहिपारा एवं केशकाल की मेजबानी में आयोजित इस प्रतियोगिता में 22 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया है। यह प्रतियोगिता कुल तीन दिनों तक चलेगी, तथा आगामी 5 दिसंबर को इस प्रतियोगिता का समापन होगा।

प्रतियोगिता में 22 स्कूलों के बच्चे हुए शामिल- आपको बता दें कि इस प्रतियोगिता में तीन संकुल केंद्रों के अंतर्गत आने वाले कुल 22 स्कूलों के बच्चे शामिल हुए हैं। जिसमे 10 माध्यमिक विद्यालय एवं 12 प्राथमिक विद्यालय के बच्चे शामिल हैं। सभी बच्चों ने पहले दिन से ही बेहतरीन तरीके से शारिरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओ का प्रदर्शन किया है। इस कार्यक्रम को देखने के लिए स्कूली बच्चों के साथ-साथ आम जनता भी मैदान पर नजर आई।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं- इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल शोरी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमारे जीवन में खेल का अहम महत्व है। आप सभी बच्चे इसी तरह पढाई के साथ साथ शारिरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी पूरी मेहनत से अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपने विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करें। मेरी ओर से आप सभी बच्चों को यह शुभकामनाएं हैं।

ये रहे मौजूद- कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल शोरी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष भूपेश सिन्हा, पत्रकर कृष्णदत्त उपाध्याय, पार्षद सुदर्शन कुंजाम, राजेंद्र ठाकुर, महेश तारम, नम्रता भारद्वाज, हर्षा कोठारी, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष ईश्वर बैस एवं पूर्व पार्षद गीता ध्रुव, बीईओ सी.एल मंडावी समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण एवं स्थानीय नगरवासी मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम का संचालन विवेक श्रीवास्तव ने किया।

राज्य वीरता पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए नामांकन आमंत्रित

कोण्डागांव। संचालनालय, महिला एवं बाल विकास छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2025 हेतु बालक एवं बालिकाओं द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं बुद्धिमता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदाय किया जाएगा। जिस हेतु नामांकन आवेदन संबंधित बालक एवं बालिकाओं से संबंधित अभिलेख एवं विवरण सहित आमंत्रित किया गया है। घटना दिनांक को बालक या बालिका की उम्र 18 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। पुरस्कृत बालक या बालिका को 25 (पच्चीस) हजार की राशि तथा प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। आवेदन निर्धारित प्रपत्र में भरकर जमा कराना होगा तथा आवेदन पत्र के साथ घटना से संबंधित जिला कलेक्टर से अनुशंसा पत्र, एफ.आई.आर. अथवा पुलिस डायरी की छायाप्रति समाचार पत्रों की कतरनें, सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित पासपोर्ट साईज के वर्तमान के 2 नग रंगीन फोटोग्राफ्स सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित 4 अतिरिक्त फोटो एवं घटना का विस्तृत विवरण सहित नामांकन आवेदन 3 प्रतियों में (संलग्न प्रारूप अनुसार पूर्ण रूप से भरे हुए) प्रतिवेदन प्रेषित किया जाना है। इन अभिलेखों के साथ आवेदन 20 दिसंबर 2025 तक जिला कार्यालय महिला बाल विकास विभाग (संयुक्त जिला कार्यालय भवन, कक्ष क्रमांक-92) जिला-कोण्डागांव में प्रस्तुत कर सकते हैं। इस हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप संबंधित विभाग से कार्यालयीन समय एवं दिवस में 15 दिसम्बर 2025 तक निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

जागृति मंच पखांजुर ने खुदीरम बोस का 136 वां जयंती पालन की

पखांजुर। जागृति मंच पखांजुर ने शहीद खुदीरम बोस का 136वां जयंती उपल्क्ष में माल्यार्पण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। नेताजी चौक में खुदीरम बोस का छायाचित्रों पर मंच उपाध्यक्ष ऋषिकेश मजुमदार, सचिव निबास, सक्रिय सदस्य बापन पाल, अशोक मृधा, रंजित सरकार, अधिकारी, बुद्धिजीवी, आम साधारण लोगोंने गर्व सम्मान के सिथ बड़ - चरकर हिस्सा लिया और फुल माला अर्पित किया। पखांजुर शुभपल्ली दुर्गा मंच में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत रेखा मल्लीक, ज्योत्सना राय, बिपल्ब अधिकारी, ज्योत्सना, एकबार बिदाय दे मां घुरे आसि, भारत आमार भारतवर्ष, निरबल से लड़ाई वलवान की, हओधर मेते धीर हओकर मेते वीर, मानुष मानुषेर जन्ने आदि गीत की प्रस्तुति दी। बनानी आईच ने कविता आबृत्ति की। रमा दास, शिंकु समाजपती, अशोक मृधा, निबास, आदि ने उनके बातों में कहां है की समाज निर्माण में और आजादी हासिल करने में अंग्रेज़ी हुकूमत पर प्रथम बम फेक कर भारतीयों को गुलाम बनाकर रखने की फिरिंगीयों की राज का नींव हिला दिया ।त्कालीन समय भी गुलामी की राजनीति थी, अंग्रेजों के विरोध के नाम पर अंग्रेजों की षड्यंत्र के आगे नतमस्तक गुलामी की नितियों को अपना कर समझौतावादी अंग्रेजों के साथ तालमेल बिठा करचल रहे थे। कायरता, भीरुता और स्वार्थसिद्धि के आत्मकेन्द्रिकता थे। लेकिन वे खुदीराम को प्रभावित नहीं कर सके। खुदीरम बोस को ऐसी राजनीति के प्रति विकर्षण ने उन्हें जीवन के प्रति निराश नहीं किया, यह उन्हें इन्सानियत, मानवता के धर्म से विचलित नहीं कर सका। इसने उन्हें राजनीति से विमुख नहीं किया। और यही कारण है कि खुदीराम, एक होते हुए भी, लाखों जीवन के प्रतीक थे। उनके बलिदान ने बाघाजतिन, असफाक उल्ला, बिस्मिल, मास्टरदा, भगत सिंह, सुभाष चंद्र जैसे अनगिनत मृत्युंजय क्रांतिकारियों को जन्म दिया।उन लाखों की कुर्बानी से दो सौ की अंग्रेजों की गुलामी से देश आजाद हुआ। रेखा मल्लीक, ज्योत्सना राय, रमा दास, छबि बाला, सोमा हिरा राधा चक्रवर्ती, झुमा चक्रवर्ती, सरस्वती शिल,अनिमा मण्डल, निलिमा हालदार, विसखा मण्डल, बिना सरकार, सला सरदार, शिंकु समाजपती सहदेव बेसरा ,रेख सूत्रधार, सत्यजीत दास आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की और कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों को मिलेगी बड़ी सौगात, बनेगा मिनी स्टेडियम

कोण्डागांव। खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है अब उन्हें अभ्यास के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा शहर के बीचो-बीच नगर पालिका परिषद कोण्डागांव में मिनी स्टेडियम बनने जा रहा है इसलिए शासन ने 1.95 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर कर दी है कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी के सफल प्रयासों से शहर वासियों को मिनी स्टेडियम फुटबाल मैदान मिलने जा रहा है जिसमें खेल अभ्यास कर सकेंगे अभी तक खिलाड़ियों को फुटबॉल खेल के लिए कोई भी स्टेडियम नहीं था जिससे समय और ऊर्जा दोनों खर्च होते थे। मिनी स्टेडियम बनने से युवाओं को स्थानीय स्तर पर बेहतर बेहतरीन अवसर मिलेगा शासन ने 1.95 करोड रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है नगर पालिका परिषद कोण्डागांव के मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश डे ने कहा मिनी इंदौर स्टेडियम बनने के लिए नगर पालिका परिषद को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया है जल्दी ही टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी एवं निर्माण कार्य को एक वर्ष के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली राजनीतिक दलों की बैठक एसआईआर की प्रगति से अवगत कराया

बिलासपुर। कलेक्टर के निर्देश पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी ने राजनीतिक दलों की बैठक ली। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति से अवगत कराया। चुनाव आयोग द्वारा इस कार्य के लिए जारी संशोधित कार्यक्रम की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि अब गणना पत्रक 11 दिसंबर तक भरे जाएंगे। 16 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन किया जाएगा। इस पर 16 दिसंबर से 15 जनवरी 2026 तक दावा / आपत्ति लिए जाएंगे। राजनीतिक दलों से अपने बीएलए को कार्यक्रम में भागीदारी निभाने और बीएलओ को सहयोग करने हेतु निर्देशित करने का आग्रह किया गया। उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (एम) आम आदमी पार्टी, छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जे) के अध्यक्ष और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मत्स्य पालक ले सकते है एक्वाकल्चर बीमा योजना का लाभ

बिलासपुर। जिले के मछली पालन विभाग को वर्ष 2025-26 के लिए एक्वाकल्चर बीमा योजना अंतर्गत कुल 10 हेक्टेयर जल क्षेत्र का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य के तहत बिल्हा एवं मस्तुरी में 2.5-2.5 हेक्टेयर, कोटा एवं तखतपुर में 1.5-1.5 हेक्टेयर तथा रतनपुर एवं तखतपुर (स) में 1-1 हेक्टेयर क्षेत्र चयनित किया गया है। उप संचालक मछलीपालन के अनुसार, यह बीमा योजना प्रधानमंत्री मत्स्य समृद्धि सहयोजना के तहत एनएफडीपी के माध्यम से एकमुश्त प्रदान की जाएगी। एक हितग्राही अधिकतम 4 हेक्टेयर क्षेत्र तक योजना का लाभ ले सकता है। प्रति हेक्टेयर 25 हजार से 1 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है, जबकि प्रीमियम राशि कुल लागत का 40 प्रतिशत होगी। यह बीमा 1 फसल चक्र के लिए लागू होगा। इसके साथ ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला हितग्राहियों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। योजना के तहत केज, रिसर्कुलेटरी सिस्टम, बायोफ्लाक, पोंड लाइनर, तालाब और डबरी जैसे जलक्षेत्र इकाइयों को शामिल किया गया है।

बुनकर सहकारी सोसाइटी का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर। बुनकर सहकारी सोसाइटी मर्या. बिलासपुर का निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार संचालक मंडलों के सदस्यों के निर्वाचन के लिए 8 दिसम्बर को नामांकन पत्र प्राप्त किये जाएंगे। 19 दिसम्बर को आमसभा आहूत कर निर्वाचन हेतु मतदान एवं मतगणना और 29 दिसम्बर को अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन किया जाएगा।

रोड मरम्मत कार्य हेतु बीके-58 रेल अंडरब्रिज (स्त्रास) बंद रहेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत जैतहरी-छुलहा स्टेशनों के मध्य किमी. 862/29-31 पर स्थित रुास नं बीके-58 (रेल अंडरब्रिज) को दिनांक 10 दिसम्बर 2025 से 24 जनवरी 2026 तक आवश्यक रोड मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त रुास (रेल अंडरब्रिज) पर रोड मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था छुलहा-अनूपपुर स्टेशन के मध्य किमी 866/13-15 पर स्थित रुास बीके-60 (रेल अंडरब्रिज) से उपलब्ध है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

डिवाइन ग्रुप दीया ने युवाओं के मध्य दिया नशा मुक्ति एवं राष्ट्र निर्माण का संदेश

बिलासपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा संगठन डिवाइन इंडिया यूथ एसोसिएशन दीया ग्रुप छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रांतीय संयोजक दीया छत्तीसगढ़ डॉ पी एल साव , डॉ योगेंद्र साहू के निर्देशन में एवं जिला संयोजक कोरबा विजेंद्र यादव के नेतृत्व में बिलासपुर जिले के बेलतरा आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं नेवसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल सहित दो प्रमुख विद्यालयों में नशा मुक्त भारत अभियान, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट,जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषय पर दोनों विद्यालयों में विशाल डिवाइन वर्कशॉप पावरप्वाइंट प्रोजेक्टर के द्वारा जिसमें बच्चों को विभिन्न वीडियो जानकारी के माध्यम से जीवन निर्माण की अनेक बातें बताई गई। कार्यक्रम 4 दिसंबर को 11:00 से 4:00 तक दोनों जगहों पर संपन्न हुआ । मॉडर्न पब्लिक स्कूल में बच्चों को संदेश देते हुए विस्तारक दीया छ.ग .कु. सविता साहू ने कहा कि आज नशा नौजवानों की दिशा और दशा दोनों को प्रभावित कर रही है आज युवा सबसे अधिक नशे के गिरफ्त में हैं जिस गति से युवाओं में नशे की लत बढ़ती जा रही है उसी रफ्तार में समाज में गंभीर घटनाएं भी सामने आ रही। आज यह सबसे बड़ा चिंता का विषय बनता जा रहा। की आने वाले समय में युवाओं को कैसे नशे से बचाया जाए इसके लिए जन जागरूकता की आवश्यकता है और संकल्प की आवश्यकता है । उन्होंने युवाओं से आवाहन किया की इस घातक नशे से बचें और अपनी ऊर्जा और शक्ति का नियोजन उपयोग सकारात्मक दिशा में करें और समाज राष्ट्र के नवनिर्माण में योगदान दें। इस मौके पर छ. ग. प्रचारक दीया कन्हैया चौहान ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसा जीवन जिएं जो दूसरों को भी प्रकाश दे जीवन में सेवा भाव त्याग ,तपस्या और लगन अच्छा व्यक्तित्व श्रेष्ठ संकल्प ही हमें सफलता तक पहुंचाते हैं हमेशा सकारात्मक चिंतन के सांथ सकारात्मक दिशा में कार्य करें । वर्कशॉप के अंत में जिला विस्तारक कोरबा ऋचा स्वर्णकार ने बच्चों को मार्शल आर्ट आत्मरक्षा के विषय में बच्चों को बताया और कहा कि कभी भी अपने को कमजोर ना समझें संघर्षों और चुनौतियों का डटकर मुकाबला करें आत्मविश्वास के सांथ जीवन पथ में आगे बढ़ें। दोनों विद्यालयों के 500 से अधिक बच्चों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया। कार्यक्रम आयोजक विकास जायसवाल टिंकू बैसवाड़े ने बताया कि निरंतर गायत्री परिवार डिवाइन ग्रुप दिया के द्वारा व्यक्ति निर्माण और परिवार निर्माण राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्र की भावी पीढ़ी को संस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से जोड़ने सकारात्मक दिशा प्रदान करने छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में अभियान चलाया जा रहा कार्यक्रम के इस मौके पर प्रांत सहसंयोजक दीया ओमप्रकाश बलभद्र, विस्तारक सविता साहू, प्रचारक कन्हैया चौहान, कोरबा डिवाइन ग्रुप विस्तारक ऋचा स्वर्णकार , कर्रा से टिंकू बैसवाड़े,बेलतरा से विकास जायसवाल, संभागीय विस्तारक दीया फूल सिंह शिक्षक शैलेंद्र कोरी, रामाधार श्रीवास, जमुना प्रसाद कश्यप, तीरीथ राम यादव,लोक कलाकार जनक राम साहू , केशव कोरी,ओम प्रकाश साहू, प्रधानाध्यापक हर प्रसाद कैवर्त देव संस्कृति विद्यालय कर्रा विद्यालय शिक्षक इस कार्यशाला में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । बच्चों ने उत्साह पूर्वक इस वर्कशॉप में भागीदारी की । बच्चों को विषय को समझाने महापुरुषों के कई उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कक्षा में कई प्रकार के गतिविधि के माध्यम से बच्चों को जीवन निर्माण की जानकारी दी गई।

अमीन की भरती परीक्षा 7 दिसंबर को,व्यापम ने जारी किया ड्रेस कोड

- जिले में 38 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी 126 केन्द्रों में देंगे परीक्षा
- दो घंटे पहले पहुंचे निर्धारित परीक्षा केन्द्र में

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, (व्यापम) द्वारा 7 दिसंबर को बिलासपुर सहित प्रदेश के 16 जिलों में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई है। पूरे प्रदेश में 2.30 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी इसमें शामिल होने के लिए आवेदन किया है। अकेले बिलासपुर में 38 हजार से ज्यादा उम्मीदवारों ने परीक्षा केन्द्र के रूप में बिलासपुर को चुना है। इसके लिए जिले में 126 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। व्यापम के निर्देश पर जिला प्रशासन ने इस परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए परीक्षार्थियों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। व्यापम द्वारा जारी निर्देश के अनुसार परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लें ताकि उन्हे परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फिस्किंग एवं फोटो युक्त पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके । परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूकि यह परीक्षा दोपहर 12.00 बजे प्रारंभ हो रहा है। अत: मुख्य द्वार प्रात: 11.30 बजे बंद कर दिया जावेगा। इसलिए समय का विशेष ध्यान रखें। हल्के रंग के आधी बाही वाले कपडे पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे, नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपडे पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यार्थीयों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा। उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में चप्पल पहने।

बिलासपुर स्टेशन में चलाया गया किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान

- 415 मामलों से 2,19,595 रूपये बतौर जुर्माना वसूले गए

बिलासपुर। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहा. वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में दिनांक 04 दिसम्बर 2025 को किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई स्टाफ भी शामिल थे। इस दौरान बिलासपुर से गुजरने वाली 16 गाड़ियो मे गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया इस अभियान में कुल 415 मामलों से 2,19,595 रूपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 332 मामले से 1,91,615 रुपए, अनियमित टिकट के 72 मामले से 26,980 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 11 मामले से 1,000 रुपए शामिल है रेल प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में जाने के लिये फुटओवर ब्रिज का प्रयोग करें। रेलगाडी राष्ट्रीय सम्पत्ति है, कृपया इसे साफ-सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें ।

14 दिन पहले ऑनलाइन बिजली बिल जमा किया फिर भी मीटर किया बंद

बिलासपुर। स्मार्ट मीटर को लेकर लगातार उठ रही शिकायतों के बीच बिजली विभाग की घोर मनमानी का सबसे बड़ा उदाहरण सामने आया है। लिंगियाडीह में उपभोक्ता द्वारा 14 दिन पहले बिजली बिल ऑनलाइन जमा करने के बावजूद स्मार्ट मीटर आटोमेटिक बंद कर दिया गया, जिससे पूरे परिवार को पूरे अंधेरे में रहना पड़ा। यह घटना न केवल विभागीय लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि डिजिटल पारदर्शिता के नाम सरकारी दावों की भी पोल खोलती है।घटना बसंत बिहार जोन के अंगर्तत लिंगियाडीह पुरानी बस्ती एक आवासीय इलाके का है, जहां मीटर क्रमांक 1001290013 पर दर्ज उपभोक्ता ने 21 नवंबर की बिजली बिल 31 हजार 123 रुपए विधिवत ऑनलाइन जमा किया था। बकायदा भुगतान की रसीद भी मौजूद है, इसके बावजूद बुधवार सुबह 10 अचानक घर की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। जब जेई से संपर्क किया गया तो स्थानीय कर्मचारियों को मौके पर भेजा। अमला मौके पर पहुंचा तो मीटर मौके पर चालू पाया, लेकिन आपूर्ति बंद थी। कर्मचारियों ने स्पष्ट रूप से बताया कि मीटर की रायपुर के कंट्रोल सेंटर से रिमोट के माध्यम से बंद किया गया है। जब इसका कारण पूछा गया तो साधारण और रटा रटाया जवाब मिला, ऐसा तब होता है जब बिल जमा नहीं होता। जबकि सच्चाई यह थी कि बिल 14 दिन पहले ही पट चुका था। इसकी जानकारी बिजली विभाग के अधिकारियों को दी तो उन्होंने बिल जमा होने के आधार पर मीटर चालू करने के लिए मेल किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र में मनाया विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस

बिलासपुर। विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर में ''स्वस्थ मृदा स्वस्थ शहर'' थीम पर आधारित जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. शिल्पा कौशिक ने कार्यक्रम में मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। रासायनिक खादों से मृदा पर होने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी। साथ ही प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अमित शुक्ला द्वारा मिट्टी की महत्ता के बारे में व उसके स्वास्थ्य को किस प्रकार सुधारा जाए इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। श्री जयंत साहू ने मिट्टी की जांच कराने की सलाह दी तथा जांच के उपरांत मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी। डॉ. एकता ताम्रकार ने बताया कि स्वस्थ मृदा स्वस्थ शहर के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है क्योंकि कीटनाशकों व रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से हमारी मिट्टी लगातार दूषित हो रही है, अत: इसकी शुरूआत हर घर से होनी चाहिए, उसके बाद मोहल्ला एवं शहर स्तर पर होना चाहिए। श्रीमती हेमकांति बंजारे ने धान फसल में रोपा की तुलना में कतार बोनी करने की सलाह दी। डा. निवेदिता पाठक ने पोषण वाटिका में रासायनिक खाद की बजाय जैविक खाद के प्रयोग की सलाह दी। डा. स्वाति शर्मा ने रासायनिक कीटनाशकों की बजाए जैविक कीटनाशकों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारीगण डा. शिल्पा कौशिक, डॉ. अमित शुक्ला, श्री जयंत साहू, डॉ. निवेदिता पाठक, श्रीमती सुशीला ओहदार, डॉ. स्वाति शर्मा, श्री इंद्रराम पटेल एवं राजू कश्यप तथा कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर के छात्र-छात्राओं एवं बड़ी संख्या में कृषकों ने अपनी सहभागिता दी।

समर्थन मूल्य में धान खरीदी से खुश हैं केदाराम

- धान उपार्जन केंद्रों में बेहतर व्यवस्था से किसान संतुष्ट
- कृषक हितैषी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

बिलासपुर। जिले के तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम भकुर्रा उपार्जन केंद्र में व्यवस्थित इंतजामों से किसान खुश है। सुव्यवस्थित व्यवस्था, पारदर्शी प्रक्रिया और किसान हितैषी नीतियों के कारण किसानों के चेहरों पर संतोष है। भकुर्रा के किसान केदाराम ने कहा कि ऑनलाईन टोकन कटवाकर उन्होंने अपना धान बेचा और उन्हें किसी तरह की समस्या नहीं आई। किसान हितैषी योजनाओं के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। केदाराम आज अपने 73 क्विंटल धान के साथ भकुर्रा उपार्जन केंद्र पहुँचे। वे 6 एकड़ में धान की खेती करते है। उन्होंने बताया कि उनके पोते ने धान बेचने के लिए ऑनलाईन टोकन कटवाया। इसके बाद समिति में प्रवेश से लेकर तौल तक की पूरी प्रक्रिया तेज और व्यवस्थित रही। पर्याप्त बारदाना और कर्मचारियों का सहयोगी रवैया था। उपार्जन केंद्र को विशेष रूप से किसान सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया। स्वच्छ पेयजल, छाया में बैठने की व्यवस्था, भीड़ और अव्यवस्था पर नियंत्रण, इन सुविधाओं ने किसानों की थकान और चिंता दोनों कम की हैं। उन्होंने कहा कि कतारें पहले की तुलना में कम थीं क्योंकि ऑनलाईन टोकन सुविधा के कारण हर किसान को उसके क्रम के अनुसार बुलाया जा रहा है। इसी तरह ग्राम राजपुर के किसान रामकिशन साहू ने कहा कि वे 13 एकड़ में खेती करते हैं और आज केंद्र में उन्होंने 93 क्विंटल धान बेचा। धान बेचने में उन्हें किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा घोषित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य से किसान आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे है। इसके साथ ही किसान सम्मान निधि की समय-समय पर मिलने वाली राशि से उन्हें बड़ा सहारा मिलता है। उल्लेखनीय है कि तुंहर टोकन हाथ ऐप से किसानों को काफी सुविधा हो रही है। तुंहर टोकन हाथ ऐप से किसान स्वयं आसानी से टोकन कटाकर अपना धान बेच पा रहे है। किसानों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए, जिससे लंबी कतारों से निजात और समय की काफी बचत हो रही है। दोनों किसानों ने किसान हितैषी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया।

बिलासपुर-एलटीटी-बिलासपुर के मध्य 01-01 स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। शीतकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-एलटीटी-बिलासपुर के मध्य एक फेरे के लिये स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । इस गाड़ी में पर्याप्त संख्या में सीट उपलब्ध है ।गाड़ी संख्या 08245 बिलासपुर-एलटीटी स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 10 दिसम्बर 2025 को तथा गाड़ी संख्या 08246 एलटीटी-बिलासपुर स्पेशल ट्रेन एलटीटी से दिनांक 12 दिसम्बर 2025 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दोनों दिशाओं में रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, अकोला, भुसावल, मनमाड, नासिक, कल्याण , ठाणे तथा एलटीटी स्टेशनों में दिया गया है । इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी, 05 सामान्य, 10 स्लीपर, 02 एसी-III तथा 01 एसी-II सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध है । गाड़ी संख्या 08245 बिलासपुर-एलटीटी स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से 17.00 बजे रवाना होगी तथा रायपुर आगमन 18.35 बजे, प्रस्थान 18.40 बजे, दुर्ग आगमन 19.30 बजे, प्रस्थान 19.35 बजे, गोंदिया आगमन 21.18 बजे, प्रस्थान 21.20 बजे, नागपुर आगमन 00.01 बजे, प्रस्थान 00.05 बजे, अकोला आगमन 03.32 बजे।

नव विवाहित जोड़े को वास्तु के अनुसार दें ये गिफ्ट

ऐसे कई मौके आते हैं, जब व्यक्ति किसी दूसरे को उपहार देते समय सोच में पड़ जाता है कि क्या तोहफा देना बेहतर होगा। माना जाता है कि गिफ्ट देते समय यदि कुछ वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए, तो यह गिफ्ट और भी बेहतर साबित हो सकता है। वास्तु के अनुसार दिए गए गिफ्ट व्यक्ति के भाग्य में भी वृद्धि करते हैं। ऐसे में यदि आप नव विवाहित जोड़े को गिफ्ट देते समय वास्तु के अनुसार बताए गए इन तोहफों को चुन सकते हैं।

ये तोहफा रहेगा शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नए जोड़े को गिफ्ट के रूप में भगवान गणेश की मूर्ति या पेंटिंग दे सकते हैं। इसे एक बहुत ही शुभ गिफ्ट माना जाता है। मान्यता है कि जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही गणेश जी के आशीर्वाद से सभी परेशानियां भी समाप्त हो जाती है।

दे सकते हैं ये फोटो

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, सात भागते हुए घोड़ों की तस्वीर उपहार के रूप में देना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसे में यदि आप यह तस्वीर नए शादीशुदा जोड़े को देते हैं,तो उनके भाग्य में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा आप मिट्टी के शो पीस भी गिफ्ट के तौर पर दे सकते हैं।

बनी रहेगी लक्ष्मी जी की कृपा

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, चांदी को एक शुद्ध और शुभ धातु माना जाता है। ऐसे में यदि आप वास्तु शास्त्र के अनुसार, चांदी से बनी कोई चीज जैसे लक्ष्मी गणेश जी की मूर्ति आदि उपहार के रूप में दे सकते हैं। ऐसा करने से नव विवाहित जोड़े पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

ये गिफ्ट रहेगा बेहतर

हिंदू धर्म में हाथी को शुभता का प्रतीक माना जाता है। इसका संबंध भगवान गणेश से माना गया है। ऐसे में आप वास्तु के अनुसार, गिफ्ट के तौर पर हाथी का जोड़ा भी वैवाहिक जोड़े को दे सकते हैं। चांदी, पीतल या फिर लकड़ी से बना हाथी का जोड़ा गिफ्ट में देना बेहतर माना जाता है।

'श्रीफल' के ज्योतिष उपाय

हिंदू धर्म में नारियल को बहुत ही शुभ माना जाता है। 'श्रीफल' के बिना किसी भी देवी-देवताओं की पूजा अधूरी मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र में नारियल से जुड़े कई सारे उपाय बताए गए हैं, जिनका सकारात्मक असर तुरंत देखने को मिलता है। साथ ही जीवन की कई बड़ी मुश्किलों से निजात मिलता है। तो आइए जानते हैं -

शनि दोष से मिलेगा छुटकारा

जो जातक शनि दोष, ढैय्या या फिर साढ़ेसाती के प्रभाव को कम करना चाहते हैं, उन्हें शनिवार के दिन किसी भी पवित्र नदी में एक नारियल लेकर भाव के साथ 'ॐ रामदूताय नमः' जाप करते हुए प्रवाहित करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव का नकारात्मक प्रभाव समाप्त होता है।

नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

अगर घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो गया है, तो आपको शनिवार के दिन लाल कपड़े में एक नारियल बांधकर भगवान गणेश को अर्पित करना चाहिए। इसके बाद इस नारियल को मुख्य द्वार पर टांग दें। ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है।

कठिन परिश्रम का मिलेगा फल

कठिन परिश्रम के बाद भी अगर आपको उसका फल नहीं मिल रहा है, तो आपको किसी भी गुरुवार के दिन भगवान श्रीहरि विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा विधि अनुसार करनी चाहिए। साथ ही एक पीले कपड़े में नारियल लपेट कर उन्हें अर्पित करना चाहिए। इस उपाय को करने से आपको आपकी मेहनत का फल जल्द ही प्राप्त होगा।

सेहत की डबल डोज हैं ये 6 फूड कॉम्बिनेशंस

रोजमर्रा के जीवन में ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर बहुत से ऐसे फूड्स हैं, जिन्हें अन्य खाद्य पदार्थों से पसंद किया जाता हैं। फिर चाहे ब्रेड बटर हो, दाल चावल हों या हल्दी वाला दूध यानि गोल्डन मिल्क। क्या आप जानते हैं कि वाकई ऐसे कई फूड आइट्म्स है, जिन्हें अगर किसी और फूड्स के साथ मिलाकर खाया जाए, तो उससे स्वाद बढ़ने के साथ साथ शरीर को दोहरा फायदा भी होता है। जानते हैं, वो कौन से फूड्स है, जिन्हें मिलाकर शरीर को मिलता है दोगुना पोषण इस बारे में डायटीशियन ने विस्तृत जानकारी दी। उनके अनुसार कुछ ऐसे फूड आइटम्स होते हैं, जिनके पोषण स्तर में वृद्धि के लिए अगर उन्हें किसी अन्य फूड के साथ मिक्स करके खाया जाए,तो उससे पोषक तत्वों को अवशोषण बढ़ने लगता है। इससे वे सूपरफूड्स की श्रृंखला में आकर शरीर को दोगुना फायदा पहुंचाते हैं। साथ ही दो प्रकार के हेल्दी फूड्स को मिलाकर खाने से शरीर की कोशिकाओं और पूर्ण मात्रा में विटामिन, मिनरल, कैल्शियम और प्रोटीन मिलने लगता है, जिससे शरीर का इम्यून सिस्टम भी मज़बूत बनता है और बार बार भूख लगने की समस्या हल हो जाती है।

1. पोहा और नींबू

पोहा खाने से शरीर को फाइबर और आयरन की प्राप्ति होती है। इससे गट हेल्थ को मज़बूती मिलती है और शरीर में खून की कमी की समस्या भी हल हो जाती है,लेकिन अगर आप पोहे में नींबू को एड कर देती है, तो इससे इसका पोषण स्तर बढ़ने लगता है। दरअसल, पोहे पर नींबू को स्कवीज़ करने से आयरन का एब्जॉर्बशन शरीर में बढ़ने लगता है। इससे शरीर में आयरन की कमी नहीं रहती है।

2. योगर्ट और बादाम

पाष्टिक तत्वों से भरपूर योगर्ट से शरीर में कैल्शियम की कमी पूरी होती है। साथ ही गुड बैकटीरिया का स्तर बढ़ता है। वहीं योगर्ट में नट्स मिलाकर खाने से शरीर को अनसैचुरेटिड हेल्दी फैट्स, ओमेगा 3 फैटी एसिड, प्रोटीन और फाइबर की प्राप्ति होती है। इससे शरीर को हेल्दी मील के साथ हृदय संबधी समस्याओं के जोखिम को भी कम किया जा सकता है।

3. ग्रीन टी और नींबू

नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है। वहीं ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंटस प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। अगर आप ग्रीन टी में नींबू को एड कर देते हैं, तो उससे एंटीऑक्सीडेंटस का एक्जॉर्बशन बढ़ने लगता है। इससे गट हेल्थ को मज़बूती मिलती है। साथ ही शरीर को एंटी एजिंग बेनिफिट्स की भी प्राप्ति होती है।

4. हल्दी और काली मिर्च

एंटी इंफ्लामेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी में करक्यूमिल कंपाउड पाया जाता है। इस एक्टिव कंपाउड के अवशोषण का बढ़ाने के लिए इसे काली मिर्च के साथ मिलाकर लें। काली मिर्च में मौजूद पैपरिन कंपाउड शरीर में मौजूद टॉक्सिक पदार्थों को डिटॉक्स करने में मदद करती है। इससे गट हेल्थ को मज़बूती मिलती है और डाइजेशन इंप्रूव होने लगता है। इन्हें मिलाकर इस्तेमाल करने से दर्द संबधी परेशानियों से राहत मिलती है।

5. दाल और चावल

दाल और चावल को एक साथ खाने से शरीर को भरपूर मात्रा में प्रोटीन की प्राप्ति होती है। दाल में पाए जाने वाला प्रोटीन को लाएसिन कहा जाता है। वहीं चावल में अमीनो एसिड पाए जाते हैं। इससे शरीर को भरपूर प्रोटीन मिलता है, जिससे पाचनतंत्र मज़बूत बनता है और लंबे वक्त तक भूख नहीं लगती है।

6. टमाटर और ऑलिव ऑयल

टमाटर का सेवन करने से शरीर को लाइकोपीन की प्राप्ति होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंटस की मात्रा प्रोस्टेट कैंसर को रोकने में मददगार साबित होती है। जैतून के तेल में टमाटर को टॉस करके खाने से शरीर में फाइटोकैमिकल्स का अवशोषण बढ़ जाता है।

फेसिअल स्टीम में मिलाएं ये खास हर्ब्स

प्यार हवाओं में है और प्यार का निखार चेहरे पर साफ नजर आता है। मगर यह प्यार किसी और के लिए हो जरूरी नहीं। अपने आप से प्यार करने में अपनी देखभाल करना भी शामिल है। यानी सेल्फ केयर ही सेल्फ लव है। जब आप दुखी, निराश और उदास रहती हैं, तो आपकी त्वचा भी रूखी, बेजान और मुर्झायी हुई नजर आती है। अगर आप भी पुराने तनाव की दाग-धब्बों को चेहरे से विदा करना चाहती हैं, तो फेशियल स्टीम एक बेहतरीन तरीका है। मगर खास दिनों के लिए खास तरह की स्टीम की जरूरत होती है। इसलिए आपकी मदद के लिए हमारे पास हैं कुछ ऐसे कुदरती नुस्खे जो आपके चेहरे में कुदरती निखार ला सकते हैं।

1. स्किन को पूरी तरह से हाइड्रेटेड रखे

प्रॉपर हाइड्रेशन से त्वचा में एलास्टिसिटी मेंटेन रहती है। हाइड्रेशन और मॉश्चराइजर के बीच अंतर है। फेशियल ऑयल स्किन को मॉइश्चराइज करता है, वहीं हाइड्रेशन के लिए पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में फेशियल स्टीम त्वचा में हाइड्रेशन मेंटेन करने में मदद करता है।

2. त्वचा में पूरी तरह से अवशोषित हो जाते हैं स्किन केयर प्रोडक्ट्स

फेशियल स्टीम स्किन केयर प्रोडक्ट्स को त्वचा में पूरी तरह से अवशोषित होने में मदद करती है। स्टीम के बाद टोनर, सिरम और मॉश्चराइजर जैसे प्रोडक्ट्स स्किन के अंदर तक जाकर त्वचा को प्रॉपर न्यूट्रिशन प्रदान करते हैं।

3. ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाए

हिट ब्लड फ्लो को बढ़ावा देता है, जिससे की त्वचा तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंच पता है। इससे त्वचा पूरी तरह से स्वस्थ और ग्लोइंग नजर आती है। हेल्दी सर्कुलेशन कोलेजन और इलास्टिन को स्टिम्यूलेट करता है। इलास्टिन फाइबर रिंकल्स को कम कर देते हैं, इससे प्रीमेच्योर एजिंग नहीं होती।

4. एक्ने को कम करे

एक्ने तब होता है,जब स्किन सेल्स में सिबम ट्रैप हो जाता है। इससे बैक्टिरियल ग्रोथ, इन्फ्लेमेशन और एक्ने का खतरा बढ़ जाता है। फेशियल स्टीमिंग से पोर्स खुल जाते हैं, ये सिबम को बाहर निकाल देता है और पिंपल्स को फॉर्म होने से रोकता है।

5. स्किन को आराम दें

खीरे के 5 स्लाइस को उबलते हुए पानी में डाल दें।
साथ ही इसमें ग्रीन टी का एक बैग और लैवंडर एसेंशियल ऑयल की पांच बूंदे डालें।
अब इससे अपनी स्किन को स्टीम दें, ये स्किन इरिटेशन को कम करते हुए त्वचा को आराम पहुंचाता है।

हेयर फॉल को कम करने के टिप्स

आजकल अलग-अलग तरह के हेयर ट्रीटमेंट इंट्रोड्यूस हो चुके हैं। वहीं महिलाएं स्ट्रेट, शाइनी और घने बालों के लिए इन ट्रीटमेंट्स पर हजारों रुपए खर्च कर देती हैं। केराटिन, स्मूदनिंग, स्ट्रेटनिंग आदि जैसे हेयर ट्रीटमेंट्स आजकल काफी ट्रेंडिंग हैं, साथ ही इनकी डिमांड भी दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। हालांकि, ये आपके बालों को कुछ समय के लिए सीधा और शाइनी तो बना देते हैं, पर लॉन्ग टर्म में आपको इनके कई साइड इफेक्ट्स नजर आ सकते हैं। इनके साइड इफेक्ट्स में सबसे कॉमन है "हेयर फॉल" की समस्या।

आज हम बात करेंगे पोस्ट केराटिन हेयर फॉल के बारे में। डर्मेटोलॉजिस्ट ने पोस्ट केराटिन हेयर फॉल कंट्रोल के कुछ जरूरी टिप्स दिए हैं। तो चलिए जानते हैं, आखिर इन्हे किस तरह कंट्रोल किया जा सकता है।

रोजमेरी ऑयल से मसाज दें

2 से 3 बूंद रोजमेरी ऑयल को एक चम्मच कैरियर ऑयल जैसे कि आलमंड और ऑर्गन ऑयल के साथ मिक्स करें और अपने स्कैल्प पर इन्हे अप्लाई कर उंगलियों को सर्कुलर मोशन में घूमते हुए, अच्छी तरह से मसाज दें। इससे ब्लड सर्कुलेशन इंप्रूव होता है और ऑक्सीजन और न्यूट्रिशन की पर्याप्त मात्रा स्कैल्प तक पहुंचती है। जिससे हेयर फॉलिकल स्वस्थ रहते हैं, साथ ही स्कैल्प में मॉइश्चर मेंटेन रहता है। रोजमेरी ऑयल में मौजूद एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और अन्य महत्वपूर्ण प्रॉपर्टीज और पोषक तत्व स्कैल्प के अंदर तक पेनिट्रेट होकर हेल्दी हेयर ग्रोथ के बढ़ावा देते हैं। ये सभी फैक्टर्स हेयर फॉल कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं। ऑयलिंग हेयर फॉल कम करने का एक प्रभावी तरीका है, इसे सभी को अपनाना चाहिए।

2. प्रोटीन रिच डाइट

एक्सपर्ट के अनुसार प्रोटीन रिच फूड्स जैसे की टोफू, दाल, चने और बींस का सेवन शरीर में प्रोटीन की आवश्यकता को पूरा करता है। ये हेल्दी हेयर ग्रोथ के लिए बहुत जरूरी हैं। खास कर यदि अपने केराटिन और अन्य ट्रीटमेंट लिए हैं और इसके बाद आपको हेयर फॉल हो रहा है, तो यह उनसे डील करने में आपकी मदद कर सकता है। वहीं सामान्य लोगों के लिए भी पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लेना बहुत जरूरी है। इससे हेयर फॉल कंट्रोल करने के साथ ही बॉडी वेट मैनेजमेंट में मदद मिलती है।

बच्चों के लिए स्पेशल रेसिपी

हर मां का एक ही सवाल होता है कि बच्चे को स्कूल में क्या दिया जाए, जो उसे पसंद भी आए और उसके लिए फायदेमंद भी हो? तो आज हम आपको बताते हैं पांच ऐसी रेसिपी जिन्हें आप अपने बच्चों के टिफिन में दे सकते हैं..

पराठा: जब बच्चे स्कूल जाएं तो आप उन्हें कोई स्टफ्ड पराठा दे सकते हैं। वैसे तो बच्चों को आलू के पराठे पसंद होते हैं। लेकिन आप आलू के साथ गाजर, गोभी, पत्ता गोभी या चीज मिक्स करके उनके लिए हेल्दी और टेस्टी पराठा बना सकते हैं। आप चाहे तो बच्चे के लिए पनीर का पराठा बना सकते हैं। इसके साथ आप बच्चों को कोई भी एक फ्रूट डाल दीजिए।

वेजिटेबल इडली: बच्चों के टिफिन के लिए वेजिटेबल इडली हेल्दी और टेस्टी होती है। आप इसका बैटर रात को ही तैयार करके रख दें और सुबह इसमें अपने पसंद की सब्जी जैसे गाजर, गोभी, मटर, प्याज आदि डालकर इसकी इडली बना लें और इसके साथ मूंगफली और कोकोनट वाली चटनी उन्हें दे सकते हैं।

मैक्रोनी या पास्ता: आजकल बाजार में होल वीट पास्ता और मैक्रोनी खूब मिलती है। ऐसे में अगर आपका बच्चा पास्ता खाने की जिद करता है, तो आप तरह-तरह की सब्जियां और चीज डालकर उसके लिए होल वीट पास्ता बना सकते हैं।

आलू पूरी : आलू पूरी तो बच्चों को बहुत पसंद होती है। ऐसे में एक दिन आप उन्हें सूखे आलू की सब्जी और पूरी टिफिन में दे सकते हैं और इसके साथ आप कोई ड्राई फ्रूट्स किशमिश दे सकते हैं।

वेजिटेबल पुलाव: बच्चों के टिफिन के लिए आप वेजिटेबल पुलाव, नमकीन सेवई का पुलाव या उपमा बना सकते हैं। अगर आपके बच्चों को पोहा पसंद है, तो आप आलू, मटर, प्याज के साथ पोहा बनाकर उसके टिफिन में रख सकते हैं।

मशहूर कंटेंपररी आर्टिस्ट विवेक शर्मा की एक शानदार सोलो एग्ज़िबिशन

भारत की एक युवा और कमिटेड आर्ट कंपनी ज़ेन क्राफ़र्ट, मशहूर कंटेंपररी आर्टिस्ट विवेक शर्मा की एक शानदार सोलो एग्ज़िबिशन, सेक्रेड जेस्चर्स के उद्घाटन की गर्व से घोषणा करती है, जिसका उद्घाटन आज मशहूर नॉवेलिस्ट, राइटर और कॉलमिस्ट शोभा डे ने जहांगीर आर्ट गैलरी, काला घोड़ा, मुंबई में किया। यह एग्ज़िबिशन 2-8 दिसंबर 2025 तक, रोज़ सुबह 11:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक चलेगी। मुंबई में यह शोकेस शर्मा की नई दिल्ली एग्ज़िबिशन साइलेंस प्लीज़ के सफल समापन के बाद हो रहा है, जिसे आर्ट पैट्रन, कलेक्टर और कल्चरल इन्फ्लुएंसर से बहुत तारीफ़ मिली थी। इस एग्ज़िबिशन के साथ ज़ेन क्राफ़र्ट, भारत के आर्टिस्टिक लैंडस्केप को बनाने वाली पावरफ़ुल आवाज़ों को दिखाने के अपने कमिटमेंट में एक और अहम पल को दिखाता है। सेक्रेड जेस्चर्स देखने में बहुत दिलचस्प काम पेश करता है जो ट्रेडिशनल रेफरेंस और कंटेंपररी विज़ुअल लैंग्वेज के डायनैमिक मिक्स के ज़रिए फ़ेमिनिनिटी को फिर से डिफाइन करता है। लावणी से इंस्पायर्ड मूवमेंट, डिवाइन फ़ेमिनिन सिंबलिज़्म और पॉपुलर कल्चर के आइकॉनिक मोटिफ़ से प्रेरणा लेते हुए, शर्मा अपनी सिग्नेचर ड्रामैटिक लाइटिंग, सैचुरेटेड रंगों और बारीक डिटेल से पहचाने जाने वाले ज़िंदादिल, इमोशनली चार्ज्ड काम बनाते हैं। यह एग्ज़िबिशन रियलिज़्म, रिदम, सेंसुअलिटी, माइथोलॉजी और फ़ेमिनिन एनर्जी की हमेशा रहने वाली ताकत का जश्न मनाती है। ओपनिंग पर बोलते हुए, इवेंट की चीफ गेस्ट-सुश्री शोभा डे ने विवेक शर्मा के आर्टिस्टिक इवोल्यूशन के लिए अपनी तारीफ़ शेयर की, उन्होंने आगे कहा: "विवेक का आर्टिस्टिक सफ़र ऐसा है जिसे मैंने कई सालों से तारीफ़ के साथ फॉलो किया है। इस पर कमेंट करते हुए इस बदलाव के बारे में मजीठिया बताते हैं, "इंडियन आर्ट मार्केट लगातार मैच्योर हो रहा है, जिसे कल्चरल महत्व, लगातार प्राइस परफॉर्मेंस और कलेक्टर के बढ़ते भरोसे का सपोर्ट मिल रहा है। युवा कलेक्टर, डिज़ाइन-फॉरवर्ड खरीदार, कॉर्पोरेट पैट्रन और प्रीमियम गिफ्ट देने वाले ऑडियंस नई एनर्जी ला रहे हैं, जिससे स्कल्पचर, इंस्टॉलेशन और लिमिटेड एडिशन की डिमांड बढ़ रही है। मार्केट एक ज़्यादा डायवर्स और इमर्सिव स्पेस में बदल रहा है।"

इसी जगह फॉर्च्यूनर गाड़ी ने रौंदा दो बच्चे को, एक के हो गई है मौत।

लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन के सुस्त रवैया से परेशान कॉलोनी वासियों ने, खुद लगवाए रोड पर स्टॉपर

अम्लेश्वर । दुर्ग जिला अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र में हर्षित न्यू सिटी के पास एक फॉर्च्यूनर गाड़ी ने साइकिल सवार दो बच्चों को 29 नवंबर को रौंद डाला जिससे बच्चे गेंद की तरह उछल कर दूर जाकर गिरा। जिसे एक बच्चे की मौत हो गई दूसरे बच्चे की हालात चिंताजनक बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस ने घटना की विवेचना कर कार्यवाही कर रही। लेकिन घबराए कालोनी वासियों ने सोसायटी के खर्चे से रोड पर स्टॉपर लगवाना चालू कर दिया है। कॉलोनी वासियों ने प्रशासन से उम्मीद रखी थी कि वह घटना के तुरंत बाद में रोड पर स्टॉपर लगाकर नगर वासियों को सुरक्षा प्रदान करेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। घटना 29 दिसंबर की है लेकिन आज तक लोकनिर्माण विभाग ने सुध नहीं ली और ब्रेकर नहीं लगाया नहीं बनवाया। और नही कही पर सांकेतिक बोर्ड लगाया गया है। जिससे न्यू हर्षित सिटी के कॉलोनी वासियों ने नाराजगी जताई और सोसायटी के खर्चे से स्टॉपर लगवाया। कॉलोनी वासियों ने स्थानीय प्रशासन के ऊपर भी नाराजगी जताई उन लोगों ने कहा कि नगर पालिका परिषद के जन प्रतिनिधि इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं साथ ही पालिका प्रशासन के अधिकारी भी नगर वासियों को सुरक्षा देने में नाकाम रही। आज यदि सुरक्षा के लिए सड़कों पर ब्रेकरों की मांग कर लगवाया रहता या बनवाया रहता तो इतनी बड़ी दुर्घटना शायद नहीं घटती जो भी दुर्घटना घटी है वह बहुत ही दुखदाई है मृतक बच्चे के परिवार को ईश्वर दुख सहने की शक्ति दे साथ ही शासन प्रशासन और स्थानीय प्रशासन को सद्बुद्धि दे जिससे लोगों को नगर में सुविधा मिल सके और सुरक्षित जीवन जी सके नगर में लगातार घटनाएं घट रही थी लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से किसी ने भी संज्ञान में नहीं लिया और आज बड़ी दुर्घटना घट गई। आपको बता दें नगर में और कई जगह मिडिल कट,पासिंग है वहां पर भी स्टॉपर और ब्रेकर बनवाने की जरूरत है जिस पर स्थानीय प्रशासन को तुरंत संज्ञान में लेकर के उचित कार्रवाई करनी चाहिए ताकि आने वाले समय में इस तरह की घटना दोबारा न हो। मौके पर सुनील वर्मा, वैभव शास्त्री, प्रकाश कश्यप मौजुद रहे।

आयुक्त ने खुर्सीपार क्षेत्र का किया औचक निरीक्षण निगम की आय बढ़ाने और मूलभूत सुविधाओं पर जोर

भिलाई नगर । नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निगम की आय में वृद्धि करने के उपायों, मूलभूत नागरिक सुविधाओं की स्थिति और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। आयुक्त ने पावर हाउस बस स्टैंड के पास स्थित खाली पड़े निर्मित भवन का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को इस भवन को किसी प्राइवेट एजेंसी को किराए पर देने और किराया निर्धारित करने का निर्देश दिया, जिससे नगर निगम की आय में वृद्धि हो सके। वार्ड क्रं. 51, शहीद वीर नारायण सिंह नगर में एक भवन में संचालित प्राइवेट स्कूल का भी आयुक्त ने निरीक्षण किया। आयुक्त ने वार्ड के मोहल्लों का भ्रमण कर पेयजल आपूर्ति और साफ - सफाई व्यवस्था का गहन जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और उनसे एसआईआर फार्म भरने से संबंधित चर्चा भी की। खुर्सीपार गेट पर प्रस्तावित रोड निर्माण स्थल का अवलोकन किया गया। आयुक्त ने उपस्थित इंजीनियरों को आवश्यक निर्देश देते हुए तत्काल प्रस्ताव तैयार कराने के लिए निर्देशित किए हैं। इस औचक निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त के साथ जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, परगनिया सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री यादव ने किया बिरेझर उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण

किसानों से रू-ब-रू चर्चा कर व्यवस्था की जानकारी ली

दुर्ग। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत सोमवार 01 दिसम्बर को 87 सहकारी समितियों के 102 उपार्जन केन्द्रों में 14879 किसानों से 78,707.80 मे. टन धान खरीदी की गई है। शासन की पारदर्शी व्यवस्था और तुंहर टोकन के अंतर्गत किसानों को सहुलियतें मिल रही है और वे निर्धारित तिथि अनुसार धान बेचने उपार्जन केन्द्रों में पहुंच रहे हैं। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग जिले के बिरेझर स्थित उपार्जन केन्द्र पहुंच कर व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने किसानों से रू-ब-रू चर्चा कर अवगत कराया कि सरकार द्वारा किसानों के हित में धान खरीदी में पारदर्शिता लायी गई है। तुंहर टोकन की ऑनलाईन की व्यवस्था से किसानों को लाईन लगाना नहीं पड़ रहा है। राशि का भुगतान निर्धारित समयावधि में किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। किसानों ने मंत्री को अवगत कराया कि जिला प्रशासन द्वारा खरीदी केन्द्रों में बारदाना की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल की व्यवस्था, पेयजल एवं विश्राम व्यवस्था, टोकन प्रणाली जैसे सुविधाएं सुनिश्चित की गई है। निर्धारित तिथि अनुसार किसान अपनी धान उपार्जन केन्द्रों में बेच रहे हैं। मंत्री यादव ने किसानों को भरोसा दिलाया कि किसानों के हित में और भी बेहतर व्यवस्था का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने समिति प्रबंधक को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

मच्छर जनित रोगों की रोकथाम हेतु निगम का सघन अभियान,

हजारों घरों का सर्वेक्षण, लार्वा प्रजनन स्रोतों का उन्मूलन

भिलाई नगर । निगम क्षेत्रांतर्गत नागरिकों को मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया से सुरक्षित रखने के लिए आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशों पर एक व्यापक जन जागरूकता और मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम जोर-शोर से चलाया जा रहा है। इस कायक्रम के तहत निगम का विशेष दस्ता और जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर रही है और मच्छर प्रजनन स्रोतों को समाप्त करने का कार्य कर रही है। निगम द्वारा गठित विशेष दस्ता के नेतृत्वकर्ता वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 01 अप्रैल 2025 से 30 नवंबर 2025 तक चलाए गए सघन अभियान के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं। कुल सर्वेक्षण किए गए घर 16,168 जांच किए गए और खाली कराए गए मच्छर प्रजनन स्रोत कुल 8,825, कूलर 3,327, टंकी 2,370 ड्रम/कंटेनर 3,096 अन्य स्रोत से 32 लार्वा नियंत्रण हेतु छिड़काव 13,253 घरों के 8,864 कूलरों में पानी मिश्रित एक्यूगार्ड का छिड़काव किया गया। व्यस्क मच्छर नियंत्रण हेतु छिड़कावः 19,125 कूलरों में पानी मिश्रित मैलाथियान का छिड़काव कार्य कराया गया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने इस अवसर पर नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि, मच्छर अपने जीवन काल की प्रारंभिक तीन अवस्थाएं - अण्डा, लार्वा और प्यूपा - पानी में ही पूरी करते हैं। मच्छरों को व्यस्क अवस्था में पहुँचने से पूर्व ही प्रारंभिक स्तर पर मच्छर प्रजनन स्रोतों को समाप्त करना सबसे प्रभावी बचाव है। उन्होंने मच्छरों के पनपने के स्थान को खत्म करने के लिए उपाय करने की अपील की जिसमें पानी संग्रहण पात्रों को ढंककर रखें। कूलर, टंकी, ड्रम या कंटेनर में संग्रहित पानी को सप्ताह में कम से कम एक दिन अवश्य खाली कर/सूखाकर ही नया पानी भरकर उपयोग करें। घर के आसपास पानी का जमाव नहीं होने दें। यदि पानी जमा होता है, तो उसमें जला हुआ मोबिल ऑयल अवश्य डालें, ताकि व्यस्क मच्छरों की उत्पत्ति न हो सके। आयुक्त महोदय ने यह भी दोहराया कि मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम में आम नागरिकों के सक्रिय सहयोग से ही डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से पूरी तरह बचा जा सकता है।

बकाया जलकर राशि 31250 रूपये निगम कोष में जमा कराया

भिलाई नगर । नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के संचालको से सीमा कर एवं जलकर वसूली हेतु संपर्क स्थापित किया गया। उद्योग संचालकों को बकाया जलकर जमा करने हेतु सूचित किया गया है। संपर्क पश्चात विश्व विशाल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक की बकाया जलकर राशि 31250.00 रूपये निगम कोष में जमा कराया गया। उसी प्रकार सीमा कर (निर्यात कर) हेतु नगर पालिक निगम अधिनियम की धारा 173 व 174 के तहत जारी नोटिस के अनुसार सीमा कर की राशि शीघ्र जमा कर रसीद प्राप्त करने अन्य उद्योग संचालको को सूचित किया गया है। इस अवसर पर सहायक राजस्व अधिकारी सह प्रभारी अधिकारी जलकर विभाग धीरज साहू, सहायक राजस्व अधिकारी सह प्रभारी अधिकारी सीमा कर विभाग अनिल मेश्राम, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन-4 मनीष कुमार सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कुम्हारी उपस्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सिकल सेल, बीपी, शुगर एवं सीबीसी की निःशुल्क जांच

कुम्हारी। कुम्हारी उपस्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 3 दिसंबर 2025। के तत्वावधान में कुम्हारी उपस्वास्थ्य केन्द्र में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सिकल सेल रोग, रक्तचाप, शुगर तथा सीबीसी सहित विभिन्न जाँचें निःशुल्क की गई। कुम्हारी उपस्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सिकल सेल, बीपी, शुगर एवं सीबीसी की निःशुल्क। शिविर में डॉ. रविन्द्र कुमार, डॉ. हर्षवर्धन शेंडे, डॉ. नेहा गुरबानी, डॉ. उपेन्द्र भेले तथा उनकी टीम ने प्रतिभागियों को सिकल सेल रोग के लक्षण, बचाव एवं महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। चिकित्सा दल ने बताया कि समय पर जांच और जागरूकता सिकल सेल रोग से होने वाली जटिलताओं को काफी हद तक कम कर सकती है। शिविर में भारी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण कराए और विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री आवास की लाटरी 12 दिसम्बर को निगम सभागार में

भिलाई नगर । शासन की महत्वकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एएचपी आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी संचालित किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई क्षेत्र के मकानहीन परिवारों से मकान हेतु आवेदन जमा कराया गया है। आवासों का सक्षम स्वीकृति प्राप्त कर कुल अंशदान राशि का 10 प्रतिशत राशि तथा बेदखली व्यवस्थापन हेतु हितग्राही अंशदान राशि 75000 हजार निगम कोष में नियमानुसार जमा कराया जा रहा है। निगम सभागार कक्ष में दिनांक 12.12.2025 को दोपहर 12:30 बजे लाटरी आयोजित किया गया है। लाटरी में वरिष्ठ नागरिको एवं दिव्यांगजनों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल के आवास तथा अन्य आवेदकों को आवास आबंटित किया जाना है। हितग्राही आवश्यक दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर लाटरी में शामिल हो सकते है। नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय का सभी नागरिको से अपील है कि मकान प्राप्त करने निगम मुख्य कार्यालय के योजना शाखा में आवेदन कर सकते है। पात्रता अनुसार नियमानुसार अंशदान की राशि निगम कोष में जमा कराया जायेगा, ततपश्चात मकान आबंटन की प्रक्रिया में शामिल कर आवास आबंटित किया जायेगा।

पीएम आवास योजना में बड़ा बदलावः अब 2500 वर्गफीट से अधिक प्लॉट वाले भी होंगे पात्र

- दुर्ग नगर निगम सि यः वास्तुविदों को मिले निर्देश, अधिक पात्र हितग्राही जोड़ने पर जोर

दुर्ग। राज्य शासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के दिशा-निर्देशों में अहम संशोधन किया है। अब तक योजना में 2500 वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल वाले भू-खण्ड के स्वामियों को अपात्र माना जाता था, परंतु शासन ने इस सीमा को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इससे अब बड़े प्लॉट धारी भी योजना का लाभ उठा सकेंगे। विभागीय पत्र क्रमांक 1389/1444/ 2025/18 13.03.2025 के अनुसार, दिशा-निर्देश की कंडिका 4.4 जिसमें 2500 वर्गफीट से अधिक भू-स्वामित्व वालों को अपात्र बताया गया था को विलोपित कर दिया गया है। शासन का कहना है कि यह सुधार शहरों में आवास निर्माण को गति देगा और अधिक संख्या में वास्तविक जरूरतमंद लाभार्थियों को सहायता मिलेगी। राज्य शासन से आदेश प्राप्त होते ही नगर निगम दुर्ग ने अपने क्षेत्र के वास्तुविदों को निर्देशित किया है किः नए संशोधित पात्रता मानदंडों के अनुसार अधिक से अधिक संभावित हितग्राहियों की पहचान करें। पात्रता सीमा हटने से जो परिवार अब दायरे में आते हैं, उनका त्वरित सत्यापन कर आवेदन सुनिश्चित करें। निगम प्रशासन का मानना है कि यह बदलाव न केवल शहर में आवास निर्माण को बढ़ावा देगा, बल्कि सामान्य एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बड़ी राहत भी देगा। बड़े भू-खण्ड स्वामियों को भी आवास निर्माण हेतु सहायता मिल सकेगी। शहर में पीएम आवास योजना का प्रभाव और व्यापकता बढ़ेगी- निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे नए दिशा-निर्देशों के अनुसार अपनी पात्रता की जाँच कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करें।

अवैध अतिक्रमण पर निगम की बेदखली कार्यवाही

भिलाई नगर । नगर पालिक निगम भिलाई जोन-3 मदर टेरेसा नगर केम्प 2 वार्ड क्रं. 33 संतोषी पारा में समृद्वि बाजार पर हुए अवैध कब्जे पर निगम को मिली शिकायत के आधार पर बेदखली की कार्यवाही की गई। अवैध कब्जा की शिकायत वार्ड पार्षद श्रीमती एन. शैलजा द्वारा की गई थी। इस भूमि का स्वामित्व विलोचन साव द्वारा खुद का बताया जा रहा था। परन्तु आज दिनांक तक भू-स्वामित्व कहने वाले कथित व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज निगम को प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतिक्रमणधारियों को स्वयं से अवैध कब्जा हटाने पूर्व में सूचना पत्र जारी किया गया था। किन्तु 03.12.2025 तक अवैध कब्जा नहीं हटाया गया, जिसे देखते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण धारियों को मौके से बेदखल करने की कार्यवाही की गई। वार्ड 33 संतोषी पारा में स्थित पुराने समृद्वि बाजार के स्थल को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पीएम आवास बनाने के लिए चिन्हांकित किया गया है। आगामी समय में शासन को प्रस्ताव भेजा जाना है, स्वीकृति पश्चात अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। कार्यवाही के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक हरिओम गुप्ता अपने टीम के साथ उपस्थित रहे।

आयुक्त ने स्कूल के समीप नशीली सामग्री विक्रय करने पर लगाया प्रतिबंध

भिलाई नगर । नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-3 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत स्कूल परिसर में निर्माणाधीन भवन, स्कूल परिसर के समीप मादक पदार्थ विक्रय पर कार्यवाही सहित सुलभ शौचालय एवं नालियों की साफ-सफाई व्यवस्था के साथ पेयजल का सेंपल का जांच का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय एवं जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता ने शारदा पारा के शासकीय प्राथमिक शाला परिसर में निर्माणाधीन नवीन भवन का निरीक्षण किये। स्कूली बच्चों की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने निर्देशित किये हैं। स्कूल परिसर के 100 मीटर के भीतर नशीली सामग्री का विक्रय करने वाले दुकानों पर छापेमारी की कार्यवाही की गई। नशीली सामग्री पाये जाने पर जप्ती की कार्यवाही करते हुए अर्थदण्ड लगाया गया। इसी के साथ सार्वजनिक सुलभ शौचालय एवं वार्ड के नालियों की साफ -सफाई कराने निर्देशित किया गया है। पेयजल व्यवस्था के लिए पाईप लाईन बिछाया गया है, एक स्थान पर पाईप लिकेज पाया गया, पीने के पानी का सेंपल लेकर लैब में जांच हेतु भेजवाया गया। सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, दीपक देवांगन एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त का सभी दुकान संचालको से अपील है कि स्कूल परिसर से 100 मीटर के भीतर किसी भी प्रकार का नशीले पदार्थ का विक्रय न करें। इस संबंध में कार्यवाही करने का अधिकारी स्कूल संस्थाओ को भी है। निगम द्वारा यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी दुकानदार के स्वयं की होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com